केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 67 रविवार 29 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

इजराइल का दावा:हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला मारा गया

तेल अवीव (आभा)। लेबनान की राजधानी बेरूत में इजरायल के किए गए ताबड़तोड़ हमले में हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह मारा गया है। इजरायली सेना ने शनिवार को यह दावा किया। शुक्रवार रात इजरायल ने बेरूत की कई इमारतों पर एयर स्ट्राइक्स की थीं, जिसमें नसरल्लाह को निशाना बनाया गया। इस हमले में न सिर्फ नसरल्लाह, बल्कि उसकी बेटी जैनब नसरल्लाह के भी मारे जाने का दावा है। हालांकि, इजरायल ने नसरल्लाह के ढेर होने का दावा किया है, लेकिन बेटी पर अभी प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नादव शोशानी ने 'एक्स' पर घोषणा की, 'हसन नसरल्लाह मर चुका है।' एक अन्य सैन्य प्रवक्ता कैप्टन डेविड अवराम ने भी पुष्टि की कि लेबनान की राजधानी पर शुक्रवार को हुए हमलों के बाद हिजबुल्लाह प्रमुख को खत्म कर दिया गया है। ईरान समर्थित समूह के एक करीबी सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि शुक्रवार शाम से नसरल्लाह से संपर्क टूट गया था। नसरल्लाह की मौत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल है कि हिजबुल्लाह की कमान किसे दी जाएगी।

नसरल्लाह के अलावा भी इस हमले में कई और हिजबुल्लाह के प्रमुख कमांडर ढेर हुए हैं। इजरायली सेना ने बताया है कि हमलों में अली कराके की भी मौत हो गई, जिसकी पहचान हिजबुल्लाह के दक्षिणी मोर्चे के कमांडर के रूप में की गई है, और बड़ी संख्या में अन्य हिजबुल्लाह कमांडर भी मारे गए हैं। अब नसरल्लाह के साथ–साथ कई उसके कई करीबियों के ढेर होने के बाद अब अगले चीफ की अटकलें लगाई जाने लगी हैं। वर्तमान में हाशेम सफीद्दीन को नसरल्लाह का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। वह हिजबुल्लाह के पॉलिटिकल मामलों की देखरेख करता है और नसरल्लाह का चचेरा भाई भी है। अमेरिका ने सफीद्दीन को 2017 में आतंकवादी घोषित किया था। वह हिजबुल्लाह का अगला प्रमुख हो सकता है, क्योंकि कमान उसी को दी जानी है, जोकि न सिर्फ हिजबुल्लाह को चला सके, बल्कि ईरान को भी वह स्वीकार्य हो।

सफीद्दीन के ईरान से भी अच्छे संबंध हैं। दरअसल, उसके बेटे रिदा की शादी जैनब सोलेमानी से हुई है।

एक नजर

दो किशोरियां घर से लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने रहस्यमय हाल में दो किशोरियों के घर से लापता होने के मामले में केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि दोनों शहर के एक इंटर कॉलेज में कक्षा नौ की छात्रा हैं। पुलिस दोनों की खोजबीन में जुटी है। पुलिस को दी तहरीर में एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी अपनी सहेली के साथ घर से स्कूल के लिए निकली थी। उसके पास मां का मोबाइल, एक जोड़ी कपड़ा और 120 रुपये के साथ आधार कार्ड है। उसकी सहेली के पास सोने की चेन, 10–11 हजार रुपये, दो सेट कपड़ा और आधार कार्ड है। संदेह है कि इन दोनों को कोई बहला–फुसला कर भगा ले गया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

अब वकील साहब का हेलमेट ढूढेगी पुलिस

लखनऊ (आभा)। भैंस, कुत्ता, बकरी ढूंढने को लेकर प्रचलित यूपी पुलिस अब काले रंग का हेलमेट ढूंढेगी। दरअसल लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में एक वकील ने अपने काले रंग के हेलमेट के चोरी की शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने वकील की बात को गंभीरता से नहीं लिया और रिपोर्ट लिखने के बजाए उसे टरका दिया। इसके बाद वकील ने कोर्ट की शरण ले ली। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस को एफआईआर दर्ज करनी पड़ी। अब पुलिस को वकील के चोरी हुए हेलमेट को ढूंढना पड़ेगा।

लखनऊ के रहने वाले वकील प्रेम प्रकाश ने बताया कि वह वृंदावन कालोनी में रहते हैं। 17 अगस्त को दोपहर करीब ढाई बजे वह जीपीओ हजरतगंज में एक नोटिस पोस्ट करने गए थे। इस बीच किसी ने उनका हेलमेट चोरी कर लिया। अटल चौक चौकी पहुंचे तो दारोगा राहुल सिंह ने दो सिपाही भेजे। सीसी फुटेज में दो युवक हेलमेट ले जाते दिखे। थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे तो दारोगा ने टालमटोल करके लौटा दिया। फिर अगले दिन बुलाया पर मुकदमा नहीं दर्ज किया। इसके बाद छुट्टी का हवाला देकर चले गए। मिलना बंद कर दिया।

पुलिस आयुक्त को मेल पर शिकायत की। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। हेलमेट चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए दरोगा राहुल सिंह 14 दिन से दौड़ा रहे थे। इसके बाद वकील ने यूपी कॉप एप पर आनलाइन शिकायत दर्ज कराई। वहां से खोया पाल के संदर्भ में दर्ज कराने का सुझाव दिया गया।

दूसरी शादी का आरोपः मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद की रुधौली पुलिस ने पैतृक संपत्ति बेचकर दूसरी शादी कर लेने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि पत्नी की तहरीर पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी तहरीर में सुमन पत्नी महेन्द्र निवासी जिगिना थाना रुधौली ने बताया कि उनके पति अपनी पैतृक संपत्ति बेंच रहे हैं। इसको लेकर मना किया। इसी बीच उन्होंने 24 सितम्बर को दूसरी शादी कर ली। मना करने पर मारापीटा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सेवा पखवाडा कार्यक्रमों के विजेता पुरस्कृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विकसित भारत आत्मनिर्भर भारत वोकल फार लोकल विषय पर संवाद संभाषण निबंध पेंटिंग प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हर्रैया के प्रतिनिधि सरोज मिश्रा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत गाकर सबका मन मोह लिया। संवाद संभाषण प्रतियोगिता में प्रीति सिंघानिया ने प्रथम स्थान खुशी यादव ने द्वितीय स्थान तथा प्रीति यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया निबंध प्रतियोगिता में संगम भारद्वाज ने प्रथम स्थान काजल चौधरी ने द्वितीय स्थान तथा अनुष्का नाथ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया पेंटिंग प्रतियोगिता में अलीशा खातून ने प्रथम स्थान नंदिनी श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान तथा लक्ष्मी चंद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । सभी विजेता प्रतिभागियों को सरोज मिश्रा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया । सभी विद्यार्थियों को अपनी मिट्टी से जुड़े रहने का संदेश दिया विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति के भाव को सर्वोपरि रखने का आवाह्न किया । मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्र ने विजेता प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया ए डी आई ओ एस उदय भान वर्मा ,अनूप कुमार कुशवाहा तथा संधिला चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया । संचालन जीजीआईसी की शिक्षिका मानवी सिंह ने किया कार्यक्रम में गीता उपाध्याय अमृता सिंह शबनम यादव दिव्या वर्मा श्यामा देवी अजय प्रकाश लाल श्रीवास्तव जितेंद्र कुमार आशीष मिश्रा जीनत कुमकुम अंजू पूर्णिमा इंदिरा श्रीवास्तव तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

याद किये गये शहीदे आजम भगत सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत विकास परिषद वशिष्ठ शाखा द्वारा शनिवार को शहीदे आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर योगदान पर चर्चा की गई।

अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि भगत सिंह का बलिदान हमें सदैव प्रेरित करता है। उनकी सोच और देशभक्ति की भावना आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक है। प्रांतीय पदाधिकारी नीलम सिंह ने कहा मार्च 1931 में 23 वर्ष की आयु में उन्हें फांसी दे दी गई। अपनी मृत्यु के बाद वे एक लोकप्रिय लोक नायक बन गए । प्रमोद तिवारी , मनमोहन श्रीवास्तव काजू ने कहा भगत सिंह का नारा 'इंकलाब जिंदाबाद' आज भी युवाओं की प्रेरणा है? 28 सितंबर 2024 को उनकी 117वी जयंती पर हम उन्हें याद कर रहे है क्योकि वे एक ऐसे क्रांतिकारी थे जिसने अपने विचारों और बलिदान से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी।

रामकुमार वर्मा अखिलेश सिंह अंकित गुप्ता हर्षित श्रीवास्तव मोहित श्रीवास्तव राजकिशोर अर्पित श्रीवास्तव शुभम सिंह जगनारायण उमंग शुक्ला अविनाश आदि ने भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी स्मृति को नमन किया।

बलिया में पत्थर से टकराया इंजन, टल गया हादसा

बलिया (आभा)। शनिवार को बलिया जिले के बैरिया इलाके में ट्रैक पर रखा गया एक पत्थर ट्रेन की इंजन से टकरा गया। गनीमत यही रही कि इससे किसी तरह की कोई क्षति नहीं हुई। लोको पायलट ने इसकी सूचना अफसरों को दी। जिसके बाद रेल विभाग में हड़कंप मच गया। आला अधिकारी और आरपीएफ मौके पर पहुंचकर मौके का जायजा लिया।

उत्तर प्रदेश में रेल पटरियों पर गैस सिलेंडर, खंभा समेत अन्य वस्तु पाए जाने के मामलों के बीच शनिवार को बलिया में भी एक ऐसी ही घटना घटी। जिसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि शनिवार को वाराणसी–बलिया–छपरा रेल प्रखंड पर दोपहर 10रू25 बजे बकुलहा–मांझी रेलवे स्टेशन के बीच किमी–18ध्10 पर रेल पटरी पर पत्थर मिला।

उन्होंने बताया कि लखनऊ से छपरा जा रही 15054 लखनऊ–छपरा एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन के 'कैटल गार्ड' से पत्थर टकरा कर हट गया। लोको पायलट ने पटरी पर रखे पत्थर को देखकर इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिसके बाद इंजन के कैटल गार्ड से पत्थर टकरा कर हट गया। सुरक्षा सुनिश्चित कर लोको पायलट द्वारा ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया। इस घटना में किसी तरह की क्षति की कोई सूचना नहीं है।इस मामले में बैरिया थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रामायण सिंह ने बताया कि बिहार सीमा पर स्थित मांझी पुल के पहले चांद दियर गांव के यादव नगर के सामने यह घटना हुई। इस रेल मार्ग से लखनऊ–छपरा एक्सप्रेस ट्रेन के आधा घंटा पहले एक पैसेंजर ट्रेन भी गुजरी। उन्होंने कहा कि रेल पटरी पर पत्थर रखने की सूचना मिलते ही पुलिस और राजकीय रेलवे पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गयी है।

मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार को मुठभेड़ हुई। इसमें 2 अज्ञात आतंकवादी मारे गए और एक अधिकारी समेत 5 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि देवसर क्षेत्र के आदिगाम गांव में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान उनके और आतंकवादियों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल के निकट गोली लगने से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) मुमताज अली मामूली रूप से घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ जारी अभियान में 4 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

चोरी के माल, मोटरसाईकिल समेत 8 अन्र्तजनपदीय चोर गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। कलवारी थाने की पुलिस व स्वाट टीम की संयुक्त कार्यवाही में 8 अंतर्जनपदीय चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की ज्वैलरी (अनुमानित कीमत रुपये 2,50,000), रुपये 20,980 नगद व घटना में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिल, हथौड़ी, सब्बल आदि बरामद किये गये। चोरी के कई मामले कलवारी थाने पर पंजीकृत थे। पकड़े गये अभियुक्तों में एक 35 वर्ष का है बाकी 18 से 21 साल के हैं।

शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये 8 अभियुक्तों में धनघटा जिला संतकबीर नगर का पड़रिया (रोसया बाजार) निवासी रामगुलाब उर्फ खुशबू पुत्र नन्दलाल निषाद उम्र 20 वर्ष, इसी थाना क्षेत्र के पड़रिया (बलुहवा) का सोनू निषाद पुत्र रामसेवक उम्र 19 वर्ष, पड़रिया (रोसया बाजार) का अजय निषाद पुत्र नन्दलाल उम्र 19 वर्ष, धनघटा थाना क्षेत्र के नकहा गांव का कन्हैया पुत्र रामदरश निषाद उम्र 19 वर्ष, ग्राम औशानपुर थाना इब्राहिमपुर जिला अम्बेडकर निवासी रमेश निषाद पुत्र ठाकुर निषाद उम्र 35 वर्ष, थाना दुबौलिया जिला बस्ती के गोपालपुर का शिवकुमार पुत्र दयाराम उम्र 21 वर्ष, ग्राम छज्जापुर थाना कोतवाली टाण्डा जनपद अम्बेडकर नगर का मोहम्मद सारिम उर्फ टिड्डी पुत्र इफ्तेखार अहमद उम्र 19 वर्ष तथा ग्राम ईश्वरनगर इल्फातगंज थाना इब्राहिमपुर जनपद अंबेडकरनगर का विनोद कुमार सोनी पुत्र स्व0 रामगोपाल उम्र करीब 32 वर्ष शामिल है।

एसपी ने बताया कि बस्ती जनपद के अलग अलग स्थानों से पुलिस टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने चोरी की तमाम घटनाओं का अनावरण करने वाली टीम को 15 हजार रूपया इनाम देकर उनका हौसला बढ़ाया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में रमेश निषाद पर गैगस्टर लग चुका है जबकि अन्य के खिलाफ अम्बेडकर नगर व बस्ती जनपद में कई मामले दर्ज हैं।

अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष कलवारी भानु प्रताप सिंह, प्रभारी स्वाट टीम उमाशंकर त्रिपाठी, प्रभारी सर्विलांस सेल शशिकांत, एसआई गोपाल यादव, एसआई विन्ध्याचल प्रसाद, एसआइ जितेन्द्र मिश्रा, हेड कान्स्टेबल राजन कुमार, कान्स्टेबल गोपाल मिश्रा, कान्स्टेबल उमाशंकर सिंह यादव, कान्स्टेबल विनीत यादव, हेड कान्स्टेबल रमेश कुमार, कान्स्टेबल सुभेन्द्र तिवारी, कान्स्टेबल किशन सिंह, कान्स्टेबल अभिलाष प्रताप सिंह, कान्स्टेबल सत्येद्र सिंह का योगदान रहा।

बरसात से सरकारी कार्यालयों, मुहल्लों में जलभराव, जन जीवन प्रभावित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। तीन दिन से लगातार जारी बरसात से बस्ती शहर में जहां पालिका प्रबंधन की पोल खोल दिया है, सड़कों पर नालियों का गंदा पानी बहता रहा । किसान भी अब धान की फसल को लेकर चिन्तित है. बस्ती में बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. गली–मोहल्ला, तालाब–पोखरा, खेत–खलिहान हर जगह पानी ही पानी. 24 घंटे की बारिश में ही जिदगी तबाह हो गई। बारिश ने गन्ना,धान को काफी नुकसान पहुंचाया है। दिन और रात का तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। जलभराव से धान, अरहर, मूंगफली और हरी सब्जियां उगाने वाले किसानों के माथे पर अब चिंता की रेखाएं हैं। उन्हें इस मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं से फसल के खराब होने और नुकसान का डर सता रहा है।

बारिश के पानी से तरबतर धरती से कई जगहों पर पुराने पेड़ गिरकर धराशायी हो गए तो कहीं बिजली के पोल गिर गए. हाल ही में कराए गए कार्य भी पानी की भेंट चढ़ गए. शहरी क्षेत्र में जलभराव का संकट गहरा गया है। आवास विकास सहित अनेक कालोनियों और मोहल्लों के घरों में पानी घुसने की नौबत आ गई है।

मंगलवार को बारिश ने दस्तक दी. बुधवार से आसमान से पानी बरसने का सिलसिला शनिवार को भी थमा नहीं. रात–दिन बारिश से लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए हैं। सड़क और बाजार सूने रहे। घरों में ही लोगों ने समय बिताया. नाले–नालियां भी उफना गईं. चहुंओर जलभराव का दृश्य नजर आया. जर्जर–पुराने मकानों के गिरने का भी खतरा है.

शहर के आवास विकास कालोनी, बैरिहवा, पिकौरा दत्तूराय, मुरलीजोत, गांवगोड़िया, बभनगांवा, पिकौरा बख्श, सिविल लाइन, पुराना डाकखाना, रौतापार धर्मशाला, तुर्कहिया, बेलवाडाड़ी, चिकवा टोला आदि मोहल्लों में घुटने भर पानी हैं. सड़क और नाली सब पानी में गुम हो गए हैं. जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है. दो दिन की बारिश ने जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है. नागरिक जलभराव की दुश्वारियों से आजिज नजर आए. शहर के प्रमुख नाले ओवरफ्लो शहर के अधिकांश प्रमुख नाले बारिश के चलते ओवरफ्लो हो गए हैं,जिससे मोहल्लों के अलावा प्रमुख सड़कों पर भी पानी लग गया है।

मालवीय मार्ग पर बादशाह टाकीज के सामने नाले का पानी सड़क पर भर गया है. कटरा–मूड़घाट मार्ग पर भी जलभराव की समस्या लाइलाज बन गई. बस्ती–मुंडेरवा मार्ग पर मनहनडीह गांव के पास सड़क तालाब की शक्ल में दिखाई देने लगा. कोतवाली से कांशीराम आवास मार्ग भी पानी में डूब गया है. मालवीय मार्ग से मंगला कालोनी को जोड़ने वाली सड़क का कुछ हिस्सा नाले में बह गया. अभी सप्ताह भर पहले पालिका ने यहां इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया था. कई जगहों पर नई सड़क की चहारदीवारी और ईंट उखड़कर नाले में बह गई.

कोतवाली, जिला उद्योग केंद्र का परिसर और कार्यालय पानी से लबालब भर गया है. जीआइसी परिसर, संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, राजकीय पशु अस्पताल परिसर में भी जलभराव है. जिला महिला अस्पताल परिसर में जलभराव होने से मरीज और तीमारदारों की मुसीबत बढ़ गई है. सीएमएस डा.सुषमा सिन्हा ने समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है. नगरपालिका और जिला पंचायत कार्यालय भी बारिश में जलमग्न हो गए।

जिला अस्पताल चौराहे पर पुराना पेड़ गिरकर धराशायी हो गया. जिससे काफी देर तक आवागमन बाधित रहा. जयशक्ति आश्रम में एक पुराना पेड़ बारिश की वजह से गिर गया।

जबकि दूसरी ओर जिले में लगातार हो रही झमाझम बारिश से परिवहन सेवाओं पर भी असर पड़ा है। अधिकतर बसों के पहिये थम गए हैं। बताया गया कि रोडवेज बस्ती डिपो की 60 प्रतिशत बसें बारिश के कारण बस स्टेशन पर ही खड़ी रह गईं। इससे करीब पांच लाख रुपये की आय प्रभावित हुई है। एआरएम बस्ती डिपो आयुष भटनागर ने बताया कि डिपो में 132 बसें हैं। निगम की 98 और अनुबंधित की 34 बसें शामिल हैं। रोजाना 60 से 74 बसों का संचालन हो रहा है। गुरुवार रात, शनिवार पूरे दिन बारिश के कारण सवारियों की संख्या बेहद कम रही। इससे बसों के संचालन पर प्रभाव पड़ा।लंबी दूरी के साथ ही लोकल रूटों पर संचालन प्रभावित हुआ। वहीं जो यात्री बस के लिए आए उन्हें परेशान भी होना पड़ा। चूंकि, पर्याप्त सवारी नहीं होने से कई बसें रूट पर नहीं भेजा गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच पाण्डेय गर्ल्स के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूमः छात्राएं पुरस्कृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रीमती कृष्ण कुमारी पांडेय गर्ल्स इंटर कालेज का वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय संस्थापिका के जयंती अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह में 30 छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि अपना सर्वस्व न्यौछावर कर बालिका शिक्षा के उद्देश्य से विद्यालय स्थापित करना सबसे पुनीत कार्य था, जिसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

प्रबंधक बिन्दवासिनी पाण्डेय, उप प्रबंधक डा. राकेश कुमार पाण्डेय, प्रबंधक एसकेपी अजय कुमार पाण्डेय निदेशक जेपीएस प्रदीप कुमार पाण्डेय डॉ. निलय पाण्डेय, इंजीनियर शिवम पांडेय व अक्षत ने दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्या डॉ. सुरभि सिंह ने स्वागत भाषण के साथ विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने श्रीमती कृष्ण कुमारी पांडेय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें त्याग की प्रतिमूर्ति बताया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनुपमा, अंजनी, शिवानी, श्वेता, नंदिनी ने सरस्वती वंदना, साक्षी, अनन्या, अंशिका ने स्वागत गान, प्रार्थना व सोनिया ने एकलनृत्य, अंशू, सना, परी, वर्षा, साक्षी ने देशगीत, रूपम, वैष्णवी, साक्षी, शिवानी, नैना, तान्या, प्रीती ने डांडिया प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन प्रबंधक बिन्दवासिनी पाण्डेय के आभार ज्ञापन से हुआ।

समारोह में प्रधानाचार्या एसकेपी योगेश शुक्ल, धर्मेन्द्र पाल, शिक्षिका दीपमाला, शिल्पी सिंह, अनीता सिंह, अनीता पांडेय, वन्दना पांडेय, कुसुमलता, सीमा, पिंकी, मालती, दिनेश मिश्र उपस्थति रहे।

श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय गर्ल्स इंटर कालेज में हाईस्कूल टॉपर अनन्या रावत, इंटर टॉपर लक्ष्मी श्रीवास्तव, सर्वोत्तम गाइड शिवांगी चौरसिया, मंडलीय प्रतियोगिता में अर्चना निषाद, बेस्ट स्टूडेंट अंजली बालगोविन्द विश्वकर्मा, गायन में साक्षी, कलर पार्टी में शिवांगी, आशियाना, खुशी, बेबी जिकरा, आकांक्षा कसौधन व भाषण फलक नूर को पुरस्कार मिला।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 सितम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

अमानवीय बर्बरता और राजनीति

यह ज्यादा पुरानी बात नहीं है। पिछले ही माह स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों को नसीहत दी थी कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। भले ही तात्कालिक रूप में उनके कथन का इशारा कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुराचार के बाद की गई नृशंस हत्या की तरफ था। उनकी इस बात को राज्यों को व्यापक संदर्भ में लिया जाना चाहिए। वैसे यह संभव नहीं है कि प्रधानमंत्री की स्मृति में वर्ष 2002 के गुजरात के सांप्रदायिक दंगों के दौरान अमानवीय बर्बरता की शिकार बिलकिस बानो का मामला न रहा हो। इस दुखद घटना में गर्भावस्था के दौरान न केवल उसके साथ दुराचार हुआ था बल्कि उसके भरे—पूरे परिवार के सात सदस्यों की भी हत्या कर दी गई थी। सर्वविदित है कि मोदी उन दिनों गुजरात के मुख्यमंत्री थे। संयोग से यह एक और स्वतंत्रता दिवस था, जब वर्ष 2022 में भारत आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था तो गुजरात सरकार ने उन ग्यारह दोषियों को रिहा कर दिया था, जिन्हें इस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई थी। दलील दी गई कि तकनीकी तौर पर वे उम्रकैद की निर्धारित अवधि पूरी कर चुके हैं और उनका जेल में व्यवहार संतोषजनक है। जैसे ही ये दोषी ठहराये लोग गोधरा उप—जेल से बाहर निकले,उनका फूल—मालाओं के साथ स्वागत किया गया था। जैसे वे अक्षम्य अपराध के अपराधी नहीं बल्कि समाज के नायक हों। उल्लेखनीय है कि इस कांड के दोषियों को रिहा करने के चौंकाने वाले फैसले पर विवाद होने और न्यायिक सक्रियता के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था। इस मामले में न केवल राजनीतिक स्तर पर विरोध हुआ बल्कि पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई का कड़ा प्रतिवाद किया था। पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई को अपनी सुरक्षा के लिये खतरा बताते हुए न्यायिक संरक्षण की मांग की थी। इसके बावजूद राज्य सरकार इस मामले में लगातार बचाव करती रही है।

अब इस फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली राज्य सरकार की कोशिश को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया है। इस कोशिश से संदेह करने की कोई गुंजाइश नहीं रह जाती कि राज्य के अधिकारियों ने दो साल पहले सजा माफी के लिये आधार तैयार करने के लिये तथ्यों को छिपाकर अदालत की दूसरी पीठ को भ्रमित किया था। उल्लेखनीय है कि पीड़ित पक्ष ने इस मामले में अदालती सुनवाई गुजरात से बाहर करने की मांग की थी। उन्हें आशंका थी कि यदि राज्य में मामले में मुकदमा चलता है तो गवाहों पर दबाव बनाकर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सकता है। इन्ही बातों के मद्देनजर इस मामले में महाराष्ट्र में मुकदमा चला और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद दोषियों को सजा सुनाई गई थी। निश्चित रूप से इस मामले में माफी आदेश पारित करने का अधिकार भी सिर्फ और सिर्फ महाराष्ट्र सरकार का था। जबकि येन—केन—प्रकारेण गुजरात सरकार ने यह अधिकार हथिया लिया। इसी कड़ी में कालांतर केंद्र सरकार ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे लोगों की समय पूर्व रिहाई पर अपनी मोहर लगा दी थी। अब जब एक बार फिर गुजरात सरकार ने इस मामले में मुंह की खाई है तो निश्चित रूप से इस घटनाक्रम ने उसे आत्मनिरीक्षण करने को बाध्य किया होगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात सरकार को प्रधानमंत्री के वे शब्द नहीं भूलने चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था— 'हमें महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों में डर की भावना पैदा करने की जरूरत है।' अब चाहे कोई भी राज्य सरकार हो, उसे अपराधियों को संरक्षण देते नजर नहीं आना चाहिए। निश्चित रूप से इससे सरकार की विश्वसनीयता पर आंच ही आएगी। वहीं दूसरी ओर सरकारों की ऐसी भूमिका से अपराधियों का हौसला ही बढ़ेगा। सरकारों का दायित्व बनता है कि वे धर्म व जाति की सीमाओं से परे पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की ईमानदार कोशिश करें। साथ ही समाज में न्याय होता नजर भी आना चाहिए।

श्रीलंका में राजनीतिक बदलाव और भारत

—संतोष मैथ्यू—

दक्षिण एशिया के भू—राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार देने वाले एक बड़े बदलाव में, श्रीलंका के जनता विमुक्ति पेरमुना (जे.वी.पी.) का पुनरुत्थान सिर्फ राजनीतिक पुनर्संयोजन से ज्यादा संकेत देता है, यह भारत के दरवाजे पर चीन—गठबंधन वाली ताकत के उदय को दर्शाता है, जो नई दिल्ली को रणनीतिक रूप से और भी ज्यादा कोने में धकेलने की धमकी देता है। श्रीलंका की राजनीति में जे.वी.पी. के हालिया उदय ने भारत के रणनीतिक और कूटनीतिक हलकों में खतरे की घंटी बजा दी है। कभी अपनी गुरिल्ला रणनीति और दूर—वामपंथी विद्रोह के लिए बदनाम, जे.वी.पी. और इसका नेतृत्व, अनुरा कुमारा दिसानायके (ए.के.डी.) के नेतृत्व में, एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में फिर से उभरा है। जे.वी.पी. की जड़ें हिंसक इतिहास में डूबी हुई हैं, खासतौर पर सिंहली राष्ट्रवाद और जातीय अंधराष्ट्रवाद से। अपने संस्थापक रोहाना विजेवीरा के नेतृत्व में, जे.वी.पी. ने 1970 और 1980 के दशक में श्रीलंका में आतंक मचाने वाले विद्रोहों का नेतृत्व किया। हालांकि शुरू में इसे मार्क्सवादी—लेनिनवादी आंदोलन के रूप में स्थापित किया गया था, लेकिन यह जल्दी ही सिंहली राष्ट्रवादी पार्टी में बदल गया, जो तमिलों के विरोध में खड़ी थी।

1980 के दशक में, जे.वी.पी. ने तमिल विरोधी भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अंततरू क्रूर गृहयुद्ध के दौरान श्रीलंकाई सरकार के साथ गठबंधन किया, जिसके कारण हजारों तमिलों का नरसंहार हुआ। विजेवीरा के नेतृत्व में पार्टी एक आदर्शवादी क्रांतिकारी ताकत से एक अर्धसैनिक संगठन में बदल गई, जिसने सिंहली राष्ट्रवादी ताकतों के साथ मिलकर तमिल नागरिकों को उनके घरों, स्कूलों और पड़ोस में निशाना बनाकर हिंसा के भीषण कृत्य किए। 1989 में, विजेवीरा को सरकार ने मार डाला, लेकिन तमिल उत्पीड़न की पार्टी की विरासत आज भी कायम है। आज, दिसानायके के नेतृत्व में जे.वी.पी. का पुनरुत्थान महज एक राजनीतिक जीत नहीं हैय यह उस अंधराष्ट्रवादी चरित्र की वापसी का संकेत है जिसने कभी श्रीलंका की एकता को खतरा पैदा किया था। जे.वी.पी. के उदय का सबसे चिंताजनक पहलू चीन की भू—राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के साथ इसका संभावित तालमेल है। श्रीलंका लंबे समय से चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का हिस्सा रहा है । चीन समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और राजनीतिक सांझेदारियों की एक शृंखला, जिसका उद्देश्य भारत को घेरना और हिंद महासागर में अपने समुद्री प्रभुत्व को सुरक्षित करना है।

चीन ने हंबनटोटा पोर्ट और कोलंबो पोर्ट सिटी जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करके श्रीलंका में अपना प्रभाव लगातार बढ़ाया है, जिसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने देश को कर्ज के जाल में धकेल दिया है। भारत विरोधी भावना और बाहरी शक्तियों पर निर्भरता के इतिहास वाली जे.वी.पी. के नेतृत्व वाली सरकार इस क्षेत्र में चीनी हितों के लिए एक इच्छुक प्रतिनिधि के रूप में काम कर सकती है।

श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति इसे दक्षहद महासागर में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाती है, और जे.वी.पी. के नेतृत्व वाली सरकार चीन के सैन्य और आध्थक प्रभाव को इस तरह से सुविधाजनक बना सकती है जो इस क्षेत्र में भारत की सुरक्षा को सीधे तौर पर कमजोर करेगी। तमिल अधिकारों के खिलाफ जे.वी.पी. का इतिहास और युद्ध के दौरान सिंहली चरमपंथियों के साथ इसकी मिलीभगत, श्रीलंका में जातीय सद्भाव के भविष्य के बारे में गहरी चिंताएं पैदा करती है।

जैसा कि तमिलनाडु पाक जलडमरूमध्य में होने वाले घटनाक्रमों को बढ़ती ड्डक्षचता के साथ देख रहा है, तमिल अधिकारों पर कोई भी वापसी और जातीय कट्टरता की वापसी भारतीय नीति निर्माताओं को अच्छी नहीं लगेगी।

ऐसा परिदृश्य भारत और श्रीलंका के बीच, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में तनाव को बढ़ा सकता है और इस क्षेत्र को और अस्थिर कर सकता है। मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में भारत की स्थिति पहले ही कमजोर हो चुकी है। हिंद महासागर में चीनी शक्ति का प्रतिकार करने के भारत के प्रयासों में श्रीलंका एक महत्वपूर्ण चौकी रहा है। जे.वी.पी. की जीत और चीन की ओर उसका संभावित झुकाव इन प्रयासों को गंभीर रूप से कमजोर कर देगा, जिससे भूटान दक्षिण एशिया के उन कुछ बचे हुए देशों में से एक रह जाएगा जहां भारत अभी भी चीन पर रणनीतिक बढ़त रखता है।

भारत के लिए, दांव बहुत ज्यादा हैं। जे.वी.पी. की सत्ता में वापसी से भारत का अपने पड़ोस में प्रभाव और कम हो सकता है, जिससे यह क्षेत्र चीन के नियंत्रण क्षेत्र में और भी गहराई तक जा सकता है। चीन के लिए, जे.वी.पी. के नेतृत्व वाला श्रीलंका उसके 'मोतियों की माला' में एक और रत्न होगा, जो क्षेत्र पर उसकी पकड़ को मजबूत करेगा। भारत को सतर्क रहना चाहिए और इस बढ़ते चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए क्षेत्र में अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए, साथ ही यह भी देखना चाहिए कि जे.वी.पी. श्रीलंका में किस तरह का शासन और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन लाएगा।

अपराध को महिमामण्डित करता सोशल मीडिया

—क्षमा शर्मा—

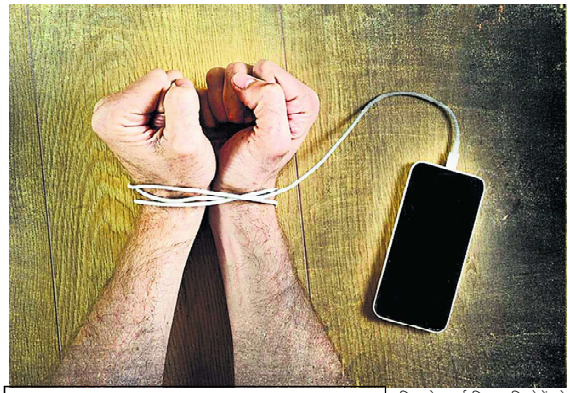

पुलिस ने ऐसे पचास सोशल मीडिया अकाउंट्स को चिन्हित किया, जिसमें अधिकतर किशोर और बच्चे हैं। इनकी उम्र बीस साल या उससे कम है। ये वीडियोज में खुलेआम हथियार लेकर लोगों को धमका रहे हैं। गोलियां चला रहे हैं। चाकू दिखा रहे हैं। पुलिस ने इन्हें दक्षिण दिल्ली के संगम विहार, टिगरी, फतेहपुर बेरी, महरौली, नेब सराय आदि स्थानों से पकड़ा है। पुलिस ने जब इन लोगों के सोशल मीडिया प्रोफाइल्स को स्कैन किया तो पाया कि ये लोग सालों से ऐसा कर रहे हैं। इन पचास लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस ने करीब एक हजार सोशल मीडिया अकाउंट्स खंगाले और पाया कि इनमें से कई नकली हथियारों को भी दिखाते हैं व लोगों को डराते हैं।

पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो पता चला कि ऐसा करके वे रोमांच महसूस करते हैं। इसके अलावा अपने इलाके में अपनी ताकत को दिखाना चाहते हैं। जो वीडियो ये पोस्ट करते हैं, उनमें ऐसे गाने भी होते हैं, जो हथियारों के प्रयोग को बढ़ा—चढ़ाकर ग्लैमराइज करते हैं। लोगों को हथियार रखने और उनका प्रयोग करने के लिए उकसाते हैं। पुलिस के पूछने पर कइयों ने खुश होते और हंसते हुए यह भी कहा कि इससे उनके फालोअर्स भारी संख्या में बढ़ते हैं। कभी यदि इन्हें पकड़ा भी जाता है, तो इनके साथी इनके जेल जाने, अदालतों में पेशी और जेल से बाहर आने के भी वीडियो बनाते हैं। जेल से बाहर आने पर जश्न मनाने के वीडियो भी बनाए जाते हैं और उन्हें पोस्ट किया जाता है। दूसरों का अपमान करने, डराने, धमकाने, मारपीट करने के भी वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। इनके अनुसार ऐसे वीडियो इनके इलाके में इनका प्रभाव बढ़ाते हैं। इनमें से कइयों के तीस हजार तो एक के लाखों फालोअर्स तक हैं। ऐसे वीडियो पोस्ट करने के बाद फालोअर्स की संख्या बेतहाशा बढ़ जाती है। और बहुत से युवा इनकी नकल करने की कोशिश भी करते हैं। यही नहीं, कई तो अपराध करने से पहले भी वीडियो पोस्ट करते हैं। ये अपराध हत्या करने तक के हो सकते हैं। एक युवा ने तो वीडियो में बताया कि वह यह अपराध करने जा रहा है, और कब करेगा इसकी जानकारी भी दी। यह भी कहा कि वह कब तक जेल से बाहर आ जाएगा। इन लोगों को बहुत—से कानूनों के बारे में भी पता है जैसे कि चाकू का प्रयोग करने पर आर्म्स एक्ट नहीं लग सकता। इनमें से अधिकांश वे हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। माता—पिता ने भी इनकी कोई खास परवाह नहीं की। पुलिस इन्हें जागरूक करने का अभियान भी चला रही है।

ये सब बातें कितनी भयावह लगती हैं। पुलिस ने जो कारण बताए वे भी गौर करने लायक हैं। जैसे कि इन युवाओं ने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। यानी कि इन्हें लगा कि पढ़ने—लिखने से कोई फायदा नहीं है। फिर समाज में यह भी है कि जिसके पास हथियार हैं, जो मारपीट कर सकता है, उससे लोग यूं ही डरने लगते हैं। आखिर किसे अपनी जान प्यारी नहीं है। यूं भी हमारे तमाम प्रचार माध्यम हिंसा को बढ़ा—चढ़ाकर दिखाते हैं। हालीवुड से लेकर बालीवुड तक बात—बात में मारपीट और हथियारों का प्रयोग मामूली बात है। हम लोग चाहे जितना अहिंसा का जाप करें, लेकिन समाज हिंसा और हिंसक व्यक्ति की पूजा करता है। जैसा कि इन लोगों ने बार—बार कहा कि वे अपने इलाके में प्रभाव बढ़ाना चाहते थे। जाहिर है कि इनकी चाहना यही थी कि लोग इनसे डरें और इनका लोहा मानें। फिर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके ये रातोरात अपने फालोअर्स भी बना लेते थे और लोकप्रियता के नशे में थे। वैसे भी हिंसा और अपराध लोगों को बहुत आकर्षित करते हैं। वे कार्यक्रम जिनमें हिंसा और सैक्स का बोलबाला होता है, रातोरात चर्चित हो जाते हैं। ऐसी फिल्में भी खूब चलती हैं। यहां तक कि ऐसी किताबें और पत्रिकाएं भी एक जमाने में रिकार्डतोड़ बिक्री करती रही हैं। व्यापार का नियम मुनाफा ही होता है, वह चाहे जैसे कमाया जाए।

हर हाल में सफलता चाहिए। सफलता मिलने के बाद कोई यह नहीं देखता कि वह कैसे मिली क्योंकि दुनिया में सफलता के ग्राहक ढेर से हैं और असफलता का कोई नहीं। इसलिए अगर ये किशोर हथियारों, अपराध और मारपीट के जरिए सफलता की सीढ़ियां चढ़ना चाहते हैं, तो यह जरूर सोचना चाहिए कि आखिर ऐसा क्यों है। अपराध इतना लुभावना क्यों है।दूसरी बात जो पुलिस ने बताई कि इन किशोरों को माता—पिता की देखभाल कभी नहीं मिली। हो सकता है कि माता—पिता का प्यार अगर इन्हें मिला होता, इनकी ठीक से देखभाल की गई होती, माता—पिता ने इन्हें समय दिया होता, इनकी सुनी होती तो शायद ये अपराध और हथियारों को अपना भगवान न मानते। ये भी गौर करने लायक बात है कि यदि इनके रहने के स्थानों पर नजर डालें या इनकी आर्थिक स्थिति को देखें, तो वह भी कोई अच्छी नजर नहीं आती। यानी कि इनके माता—पिता भी मामूली हैं। उनकी आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं रही होगी कि सारा काम छोड़कर इन पर ध्यान दे सकें। लेकिन यह जरूर है कि जब इन्होंने पढ़ाई छोड़ी थी, उस वक्त घर वालों ने इन्हें ऐसा करने से रोका क्यों नहीं। अगर रोकते तो शायद ये ऐसा न करते।

हर हाल में सफलता चाहिए। सफलता मिलने के बाद कोई यह नहीं देखता कि वह कैसे मिली क्योंकि दुनिया में सफलता के ग्राहक ढेर से हैं और असफलता का कोई नहीं। इसलिए अगर ये किशोर हथियारों, अपराध और मारपीट के जरिए सफलता की सीढ़ियां चढ़ना चाहते हैं, तो यह जरूर सोचना चाहिए कि आखिर ऐसा क्यों है। अपराध इतना लुभावना क्यों है।दूसरी बात जो पुलिस ने बताई कि इन किशोरों को माता—पिता की देखभाल कभी नहीं मिली। हो सकता है कि माता—पिता का प्यार अगर इन्हें मिला होता, इनकी ठीक से देखभाल की गई होती, माता—पिता ने इन्हें समय दिया होता, इनकी सुनी होती तो शायद ये अपराध और हथियारों को अपना भगवान न मानते। ये भी गौर करने लायक बात है कि यदि इनके रहने के स्थानों पर नजर डालें या इनकी आर्थिक स्थिति को देखें, तो वह भी कोई अच्छी नजर नहीं आती। यानी कि इनके माता—पिता भी मामूली हैं। उनकी आर्थिक स्थिति भी ऐसी नहीं रही होगी कि सारा काम छोड़कर इन पर ध्यान दे सकें। लेकिन यह जरूर है कि जब इन्होंने पढ़ाई छोड़ी थी, उस वक्त घर वालों ने इन्हें ऐसा करने से रोका क्यों नहीं। अगर रोकते तो शायद ये ऐसा न करते।

अगर पुलिस की ही मानें तो न ये अपराध से डरते हैं, न जेल जाने से। बल्कि जेल जाकर भी शायद यह योजना बनाते रहते हैं कि बाहर निकलकर किस अपराध को कब अंजाम देंगे। किसे डराएंगे, किसे धमकाएंगे, किससे मारपीट और वसूली करेंगे। एक समय वह था, जब लोग हथियारों के होने पर भी उनके सार्वजनिक प्रदर्शन से बचते थे। एक समय यह है कि हथियारों को चलाने और अपराध करने के वीडियो पोस्ट करने में अपने अहं को संतुष्टि मिलती है।

इन किशोरों और युवाओं को देखकर ऐसा तो हो ही सकता है कि माता—पिता को इस बारे में सचेत किया जाए कि वे अपने बच्चों की सही देखभाल करें। वे किस राह पर जा रहे हैं, उस पर नजर रखें। उन्हें कभी डांट से तो कभी प्यार से समझाएं क्योंकि अपराध का रास्ता किसी अच्छी जगह नहीं, अंधेरी गलियों में ही खुलता है, जहां से वापसी असम्भव होती है। कई बार मृत्यु से भी सामना हो सकता है। सोशल मीडिया की लत और रातोरात प्रसिद्ध हो जाने की चाहत, बिना किसी श्रम के, दुखद है।—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

केजरीवाल के 5 सवाल

—अवधेश कुमार—

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने जंतर—मंतर पर जनता की अदालत लगाई लेकिन उसमें उन्होंने प्रश्न राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत से पूछा। अब पत्र लिखकर वही प्रश्न पूछे हैं। उन्होंने पांच प्रश्न पूछे। एक, जिस तरह से भाजपा देश भर में लालच देकर डराकर या ई.डी. सी.बी.आई. की धमकी देकर दूसरी राजनीतिक पार्टी और उनके नेताओं को तोड़ रही है, गैर—भाजपा सरकारों को गिरा रही है क्या यह देश के लिए सही है? क्या आप नहीं मानते कि यह भारतीय जनतंत्र के लिए हानिकारक है? दो, सबसे भ्रष्ट नेताओं को भाजपा ने अपनी पार्टी में शामिल किया है। जिन नेताओं को पहले भाजपा के नेताओं ने खुद सबसे भ्रष्टाचारी बोला था कुछ दिन बाद उनको भाजपा में शामिल कर लिया गया। क्या इस प्रकार की राजनीति से आप सहमत हैं क्या ऐसी भाजपा की कल्पना की थी?

तीन, भाजपा आर.एस.एस. की कोख से पैदा हुई है। कहा जाता है कि यह देखना संघ की जिम्मेदारी है कि भाजपा पथभ्रष्ट न हो। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आप आज की भाजपा के इन कदमों से सहमत हैं? क्या आपने कभी भाजपा को यह सब करने से रोकने की कोशिश की, उनसे इस बारे में सवाल पूछे? चार, जे.पी. नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। जब नड्डा ने यह कहा तो आपके दिल पर क्या गुजरी? आपको दुख नहीं हुआ? आर.एस.एस. भाजपा के लिए मां समान है। क्या बेटा इतना बड़ा हो गया कि वह पलटकर मातृतुल्य संस्था को आंखें दिखा रहा है? पांच, आप लोगों ने मिलकर कानून बनाया था कि पार्टी में 75 साल से ऊपर के नेता रिटायर होंगे। लालकृष्ण अडवानी, मुरली मनोहर जोशी जैसे कई नेताओं को रिटायर कर दिया गया। अब अमित शाह कह रहे हैं कि यह नियम मोदी पर लागू नहीं होगा। क्या आप इससे सहमत हैं? विरोधी पार्टियां ,नेता , एक्टिविस्ट और सोशल मीडिया पर सक्रिय नरेटिव सैटर्स सभी भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करते हुए, हमले करते हुए संघ को निशाना बनाते हैं और कुछ तो भाजपा से ज्यादा संघ पर हमले करते हैं। किंतु राजनीतिक नेताओं में अरविंद केजरीवाल की तरह प्रश्न किसी ने पूछा नहीं था।

अरविंद केजरीवाल ने नेताओं को डराने—धमकाने या ई.डी. सी.बी.आई. का डर दिखाने या फिर 75 वर्ष की उम्र आदि पर जो कहा यह उनका अपना दृष्टिकोण है। इन प्रश्नों और वक्तव्यों की मूल बात दूसरी है। जब उन्होंने इस्तीफे की घोषणा की तो यही कहा कि वह जनता के बीच जाएंगे और जनता उन्हें निर्दोष साबित कर देगी तो फिर वह मुख्यमंत्री बन जाएंगे। स्वाभाविक ही ऐसे अभियान में वे काफी सोच—समझकर सधे हुए अंदाज में अपनी चतुर और चालाक राजनीति के तहत ही कोई विषय उठाएंगे। इसलिए अरविंद केजरीवाल और आप की दृष्टि से संघ प्रमुख से पूछे गए प्रश्नों को आप यूं ही खारिज नहीं कर सकते।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्य प्रणाली में सामान्यतरू राजनीतिक प्रश्न तो छोड़िए, नियमित होने वाली निंदा, आलोचना या हमलों का उत्तर देने या किसी प्रश्न पर स्पष्टीकरण देना शामिल नहीं है। संघ पर गहरी दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि इन सबसे अप्रभावित रहते हुए वे अपने उद्देश्यों के लिए निर्धारित कार्यों और आयोजनों में लगे रहते हैं। वे मीडिया या अन्य क्षेत्रों में सार्वजनिक रूप से सक्रिय लोगों से भी निवेदन करते हैं कि संघ की आलोचना या होने वाले हमलों के उत्तर देने में समय न लगाएं। वैसे अरविंद केजरीवाल के राजस्व अधिकारी के समय से एन.जी.ओ. और सूचना अधिकार कार्यकर्त्ता, फिर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अन्ना अभियान और अंततरू आम आदमी पार्टी की अब तक की गतिविधियों पर ध्यान रखने वाले बिना किसी हिचक के बोल सकते हैं कि सकारात्मक उद्देश्य से उन्होंने ये पांचों प्रश्न नहीं पूछे होंगे। सच है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद सत्ता और राजनीति के स्तर पर हिंदुत्व और हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रवाद पर फोकस कर विचारधारा पर ऐसे ऐतिहासिक निर्णय और कार्य हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं की गई थी।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के समाचार पत्र के साक्षात्कार में भाजपा अब बड़ा संगठन हो गया और उसे संघ की उस रूप में आवश्यकता नहीं है जैसे अबंधित करने वाले वक्तव्य ने पूरे संगठन परिवार और प्रतिबद्ध समर्थकों के मन में वैचारिक उथल—पुथल पैदा कर दी।

नेपाल से भटककर बृजमनगंज पहुंचा बालक

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज कस्बे के कोल्हुई तिराहे पर एक नेपाली बालक को देखा गया। वह भटककर यहां पहुंच गया था। कस्बे के निवासी फल की दुकान चलाने वाले हैदर अली ने बालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम चंदू पुत्र सद्दाम और मां का नाम शाकिर खातून पता हनुमानगढ़ चौराहा नेपाल निकट बढ़नी रेलवे स्टेशन बताया। यह सूचना फल विक्रेता हैदर ने फौरन बृजमनगंज पुलिस को दी। एसओ सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि करीब 8 वर्ष का बालक भटककर बृजमनगंज आ गया है। बालक को चाइल्ड लाइन भिजवा दिया गया है।

धीरे–धीरे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा देश –मंजू सिंह

संवाददाता–गोण्डा। महाराजा देवी बक्स सिंह इंटर कॉलेज में सेवा पखवाड़ा विकसित भारत के उपलक्ष में गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधेश कुमार सिंह मंजू सिंह सदस्य विधान परिषद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ रामचंद्र रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य व माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडलीय अध्यक्ष अजीत सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र देकर किया । मुख्य अतिथि एमएलसी मंजू सिंह ने कहा कि भारत के आत्मनिर्भर बनने का सपना तभी साकार होगा जब उपयोग की जाने वाली सभी वस्तुएं मेक इन इंडिया मेड इन इंडिया हो। हमें चीन की तर्ज पर सस्ते दर पर उत्पाद करना होगा साथ ही साथ हमें विभिन्न क्षेत्रों में अपने उत्पादों को आगे लाना होगा। आज देश सेना के उपयोगी सामान हथियार बनाना, विमान बनाने के साथ–साथ खाद्यान्न एवं अन्य मामले में आत्म निर्भर बना हैं। हम अनाज दूसरे देश को भी दे रहे हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में सर्वांगीण विकास कर रहा है।

बारिश के पानी में बह गया पुल का एप्रोच, दंग रह गए लोग, जोखिम में जान

संवाददाता–कुशीनगर। शनिवार की सुबह कसया थाना क्षेत्र में कुड़वा दिलीपनगर के सोनरा नदी पर बने पुल के एप्रोच का काफी हिस्सा बारिश में बह गया। उधर, बाल्मीकि गडंक बैराज से फिर 3 लाख 21 हजार क्यूसेक पानी छोडा गया है। नारायणी नदी खतरे के लाल निशान 96 मी. से सिर्फ 8 सेमी नीचे रह गई है। कुशीनगर के कसया थाना क्षेत्र में कुड़वा दिलीपनगर के सोनरा नदी पर बने पुल के एप्रोच का काफी हिस्सा शनिवार की सुबह बारिश में बह गया। एप्रोच जिस ढंग से कटा उसे देखकर ग्रामीण दंग रह गए। उन्ध्हें आवागमन में काफी दिक्ध्कत हो रही है। गुरुमिहया के दर्जनों टोलों का आवागमन बाधित हो गया। सड़क का आधा हिस्सा बारिश के पानी से कटकर बह गया है। यहां से कार और बाइक से लोगों का आना–जाना बन्द हो गया है। लोग जान जोखिम में डालकर पैदल आ–जा रहे हैं। उधर, बाल्मीकि गडंक बैराज से फिर 3 लाख 21 हजार क्यूसेक पानी छोडा गया है। इससे शनिवार को भोर में कुशीनगर के खड्डा रेता क्षेत्र के निचले इलाकों के करीब तक नदी का पानी पहुंच गया है। सुबह तक डिस्चार्ज फिर बढ़ गया। महादेवा, मरिचहवा, सलीगपुर, विंध्याचल पुर समेत रेता के छह गावों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है।

भारत के साथ ही नेपाल की पहाड़ियों में भी भारी बारिश हो रही है। शनिवार की सुबह बाल्मिकी गंडक बैराज से पानी का डिस्चार्ज बढकर 3 लाख 65 हजार क्यूसेक हो गया। इसके बाद नारायणी नदी खतरे के लाल निशान 96 मी. से सिर्फ आठ सेमी नीचे रह गई है। कुशीनगर में गुरुवार की रात दस बजे से शुरू हुई बारिश शुक्रवार देर रात तक जारी रही। इस दौरान रुक कर कभी झमाझम तो कभी रिमिझिम बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त रहा। इस बारिश ने फसलों को संजीवनी मिल गयी है। देर से बोई गयी धान की फसलें भी तैयार हो जाएंगी। गन्ने व अन्य फसलों को भी फायदा हुआ है। बारिश से टूटी सड़कों के गड्ढों में जलजमाव हो गया। कुछ कस्बों में जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से बाजारों और मोहल्लों में घुटने भर तक पानी भर गया। लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। हफ्ते की शुरुआत में उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया था। इसके बाद बारिश शुरू हुई। जिले के सभी इलाकों में बुध ावार को बारिश हुई मगर पडरौना में नहीं हुई। गुरुवार को भोर में पडरौना क्षेत्र में बारिश हुई। दोपहर में भी रिमझिम बारिश हुई। इसके बाद दिन मौसम खुला रहा मगर मौसम ठंडा हो गया। रात को इसके बाद दस बजे से शुरू हुआ बरसात ने घरों में पंखे आदि बंद करा दिए। मौसम खुशगवार हो गया। कभी तेज व कभी रिमझिम हो रही यह बारिश शुक्रवार की शाम को सात बजे के बाद थमी। बारिश से टूटी सड़कों के गड्ढों में जलभराव हो गया। जल निकासी नहीं होने के कारण कुछ कस्बों में जलभराव हो गया। इसे लेकर दुकानदारों ने विरोध प्रदर्शन किया। केवीके के वैज्ञानिकों की सलाह है कि किसान भाई धान, मक्का, खरीफ प्याज, चारा एवं अन्य सब्जियों की फसलों में नत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन फिलहाल मौसम देखकर करें। धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो, उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ दोनों प्रारंभ में धान की कोमल पत्तियों तथा तनों का रस चूसते हैं जिससे पत्तियां पीली होकर कमजोर हो जाती हैं। पौधों की बढ़वार बाधित हो जाती है और वे छोटे रह जाते हैं। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुंचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबू निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है।

सेवा पखवाड़ा के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता–गोण्डा। नगर के कन्हैया लाल इण्टर कॉलेज में शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा उपाध्यक्ष अर्जुन प्रसाद तिवारी रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत शनिवार को कन्हैया लाल इंटर कालेज में स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं अमर शहीद सरदार भगत सिंह की जयंती भी मनाई गई। साथ ही पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें रौनक वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि ने पेंटिग प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मेजर राजाराम ने सभी अध्यापकों एवं बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है। भारत भूमि हमारी माता है और हम सभी इसके आंचल में पल बढ़ रहे हैं। इसलिए हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम इसे स्वच्छ रखें तथा स्वच्छ रखने के लिए लोगों को जागरूक भी करें। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक शिव कुमार पाठक ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक डॉ राजधारी सिंह, स्काउट प्रभारी अमित श्रीवास्तव, सत्येंद्र नाथ मिश्र, अनुपम मिश्र, मनोज कुमार आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

जयंती पर याद किए गए शहीद सरदार भगत सिंह

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी वाहिनी भिनगा में शनिवार को भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद सरदार भगत सिंह की 117वीं जयंती मनाई गई। जिसमें कमांडेन्ट समेत एसएसबी अधिकारियों व जवानों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही उनके बलिदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा में कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी नेतृत्व में शहीद भगत सिंह की 117वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कमांडेंट ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह की जयंती हर साल 28 सितंबर को मनाई जाती है। जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके अतुलनीय योगदान को याद दिलाती है। भगत सिंह एक ऐसे क्रांतिकारी थे जिन्होंने अपनी जवानी में ही देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी विरासत आज भी प्रेरणा का स्रोत है और उनकी जयंती पर हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। भगत सिंह का जीवन और संघर्ष भारतीय इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ गया है। उनकी बहादुरी, निष्ठा, और बलिदान ने भारतीय युवाओं को प्रेरित किया और आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी जयंती पर हम उनके आदर्शों और मूल्यों को याद करते हैं और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। भगत सिंह अपने साहस और देशभक्ति से भारत की आने वाली कई पीढिघ्यों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दौरान एसएसबी जवानों व अधिकारियों ने शहीद भगत सिंह के आदर्शों का पालन करते हुए राष्ट्र की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया। इस मौके पर उपकमांडेन्ट पीयूष सिन्हा, उपकमांडेन्ट डा. रश्मि वाजपेयी आदि मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा का चंदा मांगने को लेकर बवाल, घर में घुसकर लूटपाट का आरोप

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के मझवलिया गांव में शनिवार को दुर्गा पूजा का चंदा मांगने को लेकर जमकर बवाल हो गया। गांव के कुछ किशोर चंदा वसूली कर रहे थे, इसी बीच पड़ोस गांव से एक युवक पिकअप लेकर पहुंचा। किशोरों ने चालक से चंदा मांगा तो वह गाली–गलौज करने लगा। आरोप है कि चालक गाड़ी से नीचे उतरकर एक किशोर की पिटाई कर दिया। इसके बाद सभी लड़के मिलकर चालक की भी पिटाई कर दिए। उध ार, घटना के बाद चालक अपने गांव सझवलिया चला गया और कुछ ही देर में गांव से सैकड़ों लोगों को लाठी–डंडे के साथ लेकर मझवलिया गांव पहुंच एक परिवार के घर पर ध ावा बोल दिया। घर पर मौजूद महिलाओं को धक्का दे हमलावर घर में घुसकर खूब उत्पात मचाएं। महिला ने घर में घुसकर लूटपाट करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। खुखुंदू थाना क्षेत्र के मझवलिया गांव निवासी श्रवण माली का बेटा आनंद माली शुक्रवार को अपने अन्य दोस्तों के साथ गांव के सड़क पर खड़ा होकर दुर्गा पूजा का चंदा वसूली कर रहा था।

इसी दौरान पड़ोसी गांव सझवलिया का चालक ओमप्रकाश यादव पिकअप लेकर वहां गया। लड़कों ने पिकअप रोककर चंदा मांगा तो वह गाली गलौज करने लगा। इसके बाद उसने आनंद माली को मारपीट कर घायल कर दिया। इससे नाराज लड़को ने चालक की भी पिटाई कर दी।

बौखलाया चालक गांव जाकर बड़ी संख्या में गांव वालों को लेकर आनंद के घर आ पहुंचा और घर पर मौजूद मां इंदू देवी और बहन को ध ाक्का देकर लोगों के साथ घर में जा घुसा। इंदू देवी का आरोप है कि एक माह बाद ही बेटी की शादी है, इसके लिए जेवरात और कपड़ो की खरीदारी कर घर में रखी थी।

हमलावर घर में आनंद को ढूंढते हुए बाक्स खोलकर सारा समान छिटते हुए जेवरातों की लूटपाट किए। उधर, गांव में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों को देख किसी ने 112 पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के पहुंचते ही हमलावर भाग निकले। गांव में हुए बवाल से अन्य ग्रामीण दहशत में है। इंदू देवी ने थाने पहुंच तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। एसओ दिग्विजय सिंह ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के चलते ट्रैक पर बढ़ाई गई सतर्कता

संवाददाता–गोण्डा। मूसलाध ार बारिश के चलते रेलवे ट्रैक पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पेट्रोल मैनों को सजग किया गया है कि वह बराबर ट्रैक की निगरानी करते रहें और पल–पल की सूचना से उच्च अधिकारियों को अवगत कराते रहें। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा गोरखपुर रेल प्रखंड पर रेल कर्मियों को लगाकर ट्रैक की निगरानी कराई जा रही है। इसके अलावा मनकापुर अयोध्या रेल प्रखंड , गोंडा बढ़नी रेल प्रखंड, गोंडा बहराइच रेल प्रखंड, गोंडा लखनऊ रेल प्रखंड पर सतर्कता के मददेनजर पेट्रोल मैंन बराबर निगरानी कर रहे हैं, जहां कहीं जरा सी खामियां देखने को मिल रहे हैं उसमें सुधार के निर्देश दिए गए हैं। जिससे गाड़ियों का संचालन बराबर चलता रहे। रेल अफसरों का कहना है कि ट्रैक की निगरानी बराबर की जा रही है।

छोटी बड़ी सभी शिकायतों का हो समय से हो निस्तारण–डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। सभी थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम व एसपी ने लोगों की शिकायतों को सुनकर निस्तारण का निर्देश दिया। इस दौरान कुल 33 शिकायती पत्र मिले।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में कोतवाली भिनगा में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें डीएम व एसपी ने लोगों की शिकायत सुनी। डीएम ने कहा कि थाना दिवस में आने वाले फरियादियों से नम्र व्यवहार किया जाए और गम्भीरतापूर्वक उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण किया जाए। समाधान दिवस में आई भूमि विवादों की शिकायतों को सूचीबद्ध कर राजस्व व पुलिस की गठित टीम मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के शिकायतों का निस्तारण किया जाय। एसपी ने सभी थानाध यक्ष को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायत का संज्ञान लेकर तुरंत मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की जाय। शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को फोन के माध्यम से सूचित भी किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत निस्तारण में लापरवाही की शिकायत मिली तो संबंधित थाना प्रभारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीएम व एसपी ने सिरसिया थाने में भी लोगों की शिकायत सुनकर निस्तारण का निर्देश दिया।

डीएम व एसपी ने भिनगा में जल जमाव का जायजा लिया

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधि ाकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने भीषण बारिश को देखते हुए शनिवार को नगर पालिका भिनगा के नई बाजार में पैदल भ्रमण कर जल जमाव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर वासियों व व्यापारियों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनकी समस्याएं भी सुनी। डीएम ने नगर में बेहतर साफ–सफाई कराने के लिए अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ बनाना अधिशासी अधिकारी का दायित्व है। इसलिए प्रत्येक दिवस सड़कों पर बेहतर साफ–सफाई करायी जाए और कूड़े का उचित प्रबन्ध कराकर निस्तारण कराया जाए।

गौरव का बोध कराती है हिन्दी –एडीजे

संवाददाता–गोण्डा। हिन्दी भाषा सिर्फ अभिव्यक्ति का एक माध्यम ही नहीं है बल्कि हिन्दी हमें गौरव का बोध कराती है। हिन्दी भाषा का अपना एक लंबा इतिहास है और इसे बोलने व सुनने पर हमें गर्व की अनुभूति होती है। यह बातें हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत अधिवक्ता परिषद द्वारा बार एसोसिएशन सभागार में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने कही। अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष धन लाल तिवारी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिपाठी ने इस आयोजन के लिए अधिवक्ता परिषद को बधाई दी। संगोष्ठी में सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संगमलाल द्विवेदी, बार एसोसिएशन के महामंत्री चंद्रमणि तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमान सिंह, केके श्रीवास्तव, घनश्याम पांडे व रविचन्द्र त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे। हिन्दी भाषा के विकास में सराहनीय योगदान के लिए राजेश ओझा, चंद्रप्रकाश तिवारी, बृजलाल तिवारी व रविचन्द्र त्रिपाठी को हिन्दी रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। अध्यक्षता अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष धन लाल तिवारी व संचालन महामंत्री जय प्रकाश सिंह ने किया। इस अवसर पर डीजीसी राजस्व सुशील तिवारी, मंडलीय शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी, डिप्टी डिफेंस काउंसिल अनिमेष चतुर्वेदी, नरेंद्र सिंह राना, केके सिंह, अलका श्रीवास्तव, बृजेन्द्र सिंह, विनय मिश्रा व रामबाबू तिवारी सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

तीन दम्पति साथ रहने को राजी हुए

संवाददाता–श्रावस्ती। पारिवारिक विवादों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण कर टूटते रिश्तों को पुलिस बचाने का कार्य कर रही है। शनिवार को पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में परिवारिक विवादों की प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की गई। जिसमें आपसी वैचारिक मतभेद को दूर किया गया। पुलिस के इस पहल से तीन दम्पति इस्लामुननिशा व पति रोशन अली पुत्री मुबारक अली निवासी ग्राम नेवरिया, रोशन अली पुत्र हवलदार निवासी ग्राम घोलिया व पत्नी कुलसुम तथा कलीम पुत्र छोटकउ निवासी ग्राम भिनुहनी व उसकी पत्नी सुमन साथ रहने को राजी हो गए। इससे उनका रिश्ता टूटने से बच गया। सभी दम्पतियों को एक साथ उनके घर भेजा गया।

नवाचार और उद्यमिता से ही विकास संभव –डीआईओएस

संवाददाता–श्रावस्ती। हमारे विद्यार्थियों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यदि उन्हें उचित अवसर मिले तो जिले के जनजातीय विद्यार्थी भी नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी रहेंगे। यह बातें नव प्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव में जिला विद्यालय निरीक्षक मिथिलेश कुमार ने कहीं। सिरसिया विकास क्षेत्र के राजकीय इंटर कालेज गब्बापुर में शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद तथा इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड एडवांस्ड स्टडीज के संयुक्त तत्वाध ाान में नव प्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव का आयोजन किया गया। विशेष रूप से जनजातीय विद्यार्थियों के लिए नवाचार और उद्यमिता को लेकर जिले के 11 कालेजों में एक वर्ष से यह कार्यक्रम चल रहा था। इसी तैयारी के आधार पर प्रत्येक विद्यालय से कक्षा आठ से 12 तक के 25–25 विद्यार्थियों ने समेकित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में शामिल होकर अपने नवाचार मॉडल प्रदर्शित किए। जिला विद्यालय निरीक्षक मिथिलेश कुमार ने कहा कि नवाचार और उद्यमिता से ही विकास संभव है। लखनऊ के डा. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रो. एके सिंह ने कहा कि इनोवेशन के लिए टेक्निकल सोच जरूरी है। प्रख्यात विज्ञान संचारक डा. वीपी सिंह ने कहा कि इनोवेशन का एक सिस्टम तैयार हो जो उद्यमिता तक जाए। नवाचार विशेषज्ञ पंकज कुमार पांडेय ने धूम्र शोधक यंत्र तथा मवेशियों की सहायता से विद्युत उत्पादन पर अपने नवाचार को लेकर प्रस्तुतिकरण दिया। जीआईसी के प्राचार्य डा. रमेश कुमार ने जनजातीय बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए नवाचार का प्रयोग करने पर बल दिया। लखनऊ के विशेषज्ञ संगम सिंह व अनिल कुमार श्रीवास्तव ने घरेलू उपयोग के उपकरण, वैज्ञानिक खिलौनों के पीछे छिपे वैज्ञानिक सिद्धांतों व नवाचार से उद्यमिता के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर शिक्षक डा. परमानंद, संगीत वर्मा, मनोज शास्त्री, जनजाति प्रतिनिधि कर्मवीर राणा, डा. अनूप चतुर्वेदी, रंजीत कुमार आदि मौजूद रहे। उत्कृष्ट नवाचार मॉडल के लिए 17 छात्रों को पुरस्कार दिया गया।

मूसलाधार बारिश से धवस्त हुई सड़क

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा क्षेत्र के मिश्रवलिया बाजार से निकलने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़क लगातार भारी बारिश होने के कारण गंगापुर गांव के पास टूटकर ध्वस्त हो गई है। सम्पर्क मार्ग टूटने से आधा दर्जन से ज्यादा गांवों का रास्ता बन्द हो गया है। लोग चार किमी की दूरी तय कर दूसरे रास्ते से घूमकर रतनपुर ब्लाक मुख्यालय व मिश्रवलिया बाजार आ–जा रहे हैं।

नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रतनपुर के मिश्रवलिया बाजार से एक पीड्ब्लूडी सड़क निकली है, जो गंगापुर, बैकुंठपुर, गुप्तारदास टोला, गंगापुर परती, विशेषर टोला, हरलालगढ, मिश्रा टोला व खानडीह गांवों को जोड़ती है। इन गांवों का यही मुख्य मार्ग है, जिसके रास्ते लोग, मिश्रवलिया बाजार, ब्लाक मुख्यालय व रतनपुर सीएचसी पर आते जाते हैं। कुछ दिन पहले जल जीवन मिशन के कर्मचारियों द्वारा पानी सप्लाई के लिए गड्ढा खोदकर पाइप डाली गई थी। गड्ढा खोदने से गंगापुर गांव के पास पानी का रिसाव होने के कारण सड़क धीरे–धीरे टूटने लगी थी। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने पीड्बलूडी विभाग के कर्मचारियों से की थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इधर गुरुवार की रात से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शनिवार को सड़क धंस गई और टूटकर पूरी तरह से ध्वस्त हो गई।

एसटीएफ की रडार पर चाइनीज लहसुन आपूर्ति से जुड़े भारतीय तस्कर

संवाददाता–बहराइच। सेहत के लिए घातक चाइनीज लहसुन की सीमा पार से हो रही आपूर्ति पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। प्रतिबंधित लहसुन की दबे पांव भारतीय क्षेत्र में खेप लाने व भेजने वाले तस्करों की तलाश तेज हो गई है। बहराइच समेत सीमा से लगे जिलों की मंडियों की भी निगरानी हो रही है। हालाकि बरामद लहसुन के सैंपल कस्टम विभाग ने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। भारत में वर्ष 2014 से ही चाइनीज लहसुन प्रतिबंधित है। किड़नी व लीवर के लिए घातक अवयव पाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके आयात पर रोक लगा दी है। पिछले दो माह से सुनियोजित तरीके से नेपाल के निर्यातक तस्करों के माध्यम से प्रतिबंधि ात लहसुन को सीमा पार रुपईडीहा, श्रावस्ती के भिनगा व बलरामपुर जिले में आपूर्ति कर रहे हैं। कैरियरों के माध्यम से सीमा से लगे गुप्त गोदामों में डंप किया जा रहा है।यहां से शहर, लखनऊ, दिल्ली समेत कई महानगरों की मंडियों में तस्कर थोक विक्रेताओं के जरिए भेज रहे हैं। एसटीएफ ऐसे लोगों की तलाश कर रही है, जो नेपाली तस्करों से मिलकर भारतीय क्षेत्र में प्रतिबंधित लहसुन के कारोबार से जुड़े हुए हैं। मंडियों पर भी एसटीएफ की टीम लगातार निर्यातकों पर नजर रख रही है। कस्टम विभाग के मुताबिक अब तक लगभग चार हजार कुंतल चाइनीज लहसुन बरामद किया गया है। जिसको एसएसबी व पुलिस ने पकड़ा है। कस्टम इंस्पेक्टर बृजेंद्र लाखड़ा ने बताया कि यह लहसुन घातक होने की वजह से जांच कराया जा रहा है।

एसएसबी व पुलिस ने बरामद किए गए चाइनीज लहसुन से जुड़ी जानकारी एसटीएफ को साझा किया है। सीमा से लगे तस्करों व कारोबारियों के गुप्त गोदाम भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक गोदामों से भोर करीब तीन से चार बजे के समय लहसुन को लोड कर दूसरे जिलों में भेजने का काम हो रहा है। चाइनीज लहसुन के बाजार में उतारने को लेकर तस्कर यूं ही जोखिम नहीं उठा रहे हैं, बल्कि नेपाल में 120 से 140 रुपये की दर से बिकने वाला चाइनीज लहसुन भारतीय क्षेत्र में 200 से लेकर 225 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रहा है। लगभग दोगुने दाम पर बिक्री होने की वजह से तस्करी पर रोक नहीं लगा पा रही है। बरामद लहसुन को कस्टम के हवाले कर दिया गया है। प्रयोगशाला जांच में स्वास्थ्य के लिए घातक होने पर लहसुन को नष्ट किया जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधि ात लोगों से 10 गुना तक जुर्माना वसूला जाएगा। हलांकि जिन लोगों के पास से लहसुन बरामद किया गया है, ज्यादातर वे नेपाल के निवासी हैं।

कस्टम के अधिकारी ने बताया कि पूर्व में हुई जांच में कई तथ्य ऐसे सामने आए जो चाइनीज लहसुन के प्रतिबंध का कारण बने हैं। इनमें शरीर के लिए जरूरी एलिसिन कंपाउंड नहीं पाया जाता है। यह टॉक्सिक भी होता है,जो भारतीय लहसुन से अलग करता है। दिनेश धमीजा, कस्टम सुपरिटेंडेंट, रुपईडीहा ने कहा कि प्रतिबंधित लहसुन के चार सैंपल प्रयोगशाला जांच को भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर लहसुन व जिन लोगों से बरामद किया गया है, उन पर कार्रवाई होगी।

डीएम से मिले शिक्षक, महाविद्यालय से सटे कूड़ाघर बनाने की शिकायत

संवाददाता–महराजगंज। श्री बालाजी महाविद्यालय पकड़ी नौनिया के प्राचार्य एवं शिक्षक जिलाधिकारी से मिले। पत्रक देकर महाविद्यालय से सटे ग्राम पंचायत द्वारा कूड़ाघर बनवाने की शिकायत की। शिक्षकों ने डीएम से बताया कि कूड़ाघर के लिए जिस भूमि को चिह्नित किया गया है, वह महाविद्यालय से लगभग दस फीट और आंगनबाड़ी केंद्र के बिल्कुल सटे है। जिन कक्षाओं शिक्षण कार्य होता है, उनकी खिड़कियां प्रस्तावित कूड़ाघर की ओर ही खुलती हैं। महाविद्यालय में एक हजार से अधिक छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र में गांव के नौनिहाल पढ़ने आते हैं। कूड़ाघर बनने के बाद उसकी सड़न से उत्पन्न मच्छरों, दुर्गंध एवं प्रदूषण से छात्रों एवं नौनिहालों के संक्रमित एवं बीमार होने की सदैव आशंका बनी रहेगी। इसे दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय द्वारा जिले के प्रशासनिक अधिकारियों अपर जिलाधि ाकारी, उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी सदर को प्रार्थना पत्र के द्वारा अवगत भी कराया गया है।

जिले में बन्दन योजना के तहत 4 करोड़ की लागत से दो पौराणिक मन्दिर का होगा सौन्दर्यीकरण

संवाददाता–बलरामपुर। डीएम ने बताया कि रानी तालाब के निकट स्थित हनुमान मन्दिर सांस्कृतिक, पौराणिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के दृष्टिगत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हनुमान मन्दिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सम्पर्क मार्ग, परिक्रमा पथ, विश्रामालय, हवन कुण्ड शेड, बेन्च एवं घाट के सौन्दर्यीकरण के सीढ़ी का निर्माण कार्य तथा सम्पर्क मार्ग तिराहा का सौन्दर्यीकरण कार्य कराने के लिए 1 करोड़ निन्नान्बे लाख 65 हजार रूपए का बजट का प्रस्ताव भेजा गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत पचपेड़वा क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड नम्बर 14 में स्थित पौराणिक एवं 200 वर्ष पुराने स्वयंभू शिवलिंग व माता पार्वती के प्रसिद्ध शिवगढ़ धाम मन्दिर के सौन्दर्यीकरण के लिए मन्दिर परिसर में हॉल का निर्माण, मन्दिर का सौन्दर्यीकरण, मुनीर महतौ के मकान से शिवगढ़ धाम मन्दिर तक सीसी रोड निर्माण का कार्य, वार्ड नम्बर–9 में सिसहनिया से शिवगढ़ धाम मन्दिर में परिसर के आस–पास 110–130 वॉट एलईडी लाईट एवं 9 मीटर आक्टोगोनल पोल की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य कराने के लिए 1 करोड़ निन्नाबे लाख 90 हजार रूपए का बजट आवंटन के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवगढ़ धाम मन्दिर एक पौराणिक एवं 200 वर्ष पुराना भू–गर्भ से प्राप्त एक स्वयं–भू शिवलिंग व माता पार्वती का मन्दिर है। जहां पर पूरे वर्ष दर्शनार्थियों का आना–जान लगा रहता है। श्रावण मास में जिले की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा जो कि देवीपाटन शक्तिपीठ के सूर्यकुण्ड से जल लेकर कांवड़िये शिवगढ़ धाम मन्दिर पर हजारों की संख्या मे जलाभिषेक के लिए आते हैं। इसी प्रकार रानी तालाब के पास स्थित हनुमान मन्दिर का भी अपना पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व है। जहां पर हनुमान जयन्ती, ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल एवं प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को श्रद्धालु काफी संख्या में दर्शनार्थ आते हैं। उन्होंने कहा कि पौराणिक महत्व के दोनों मन्दिरों के सौन्दर्यीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के हो जाने से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी तथा धरोहरों का संरक्षण भी हो सकेगा।

सफाईकर्मियों में बांटे गए स्वच्छता किट

संवाददाता–गोण्डा। शनिवार को ब्लाक परिसर में पंचायत विभाग की ओर से सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सफाई कर्मियों को भाजपा नेता भवानीभीख शुक्ल व प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमापति त्रिपाठी ने स्वच्छता किट उपलब्ध कराया। भाजपा नेता ने कहा कि समाज में स्वच्छता एक सेवा भाव है। हमें अपने आसपास स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वच्छता से ही संचारी रोगों के प्रकोप पर अंकुश लगाया जा सकता है। शिविर में प्रभारी बीडीओ विजय बहादुर सिंह ने बताया कि शिविर में जल जीवन मिशन, बाल विकास परियोजना, स्वास्थ्य विभाग व कृषि सहित अन्य विभागों ने अपने स्टाल लगाये। कार्यक्रम में एडीओ पंचायत प्रीतम श्रीवास्तव, मणिकांत तिवारी, डाक्टर एसपी पाठक, माखन तिवारी, श्वेता सिंह सहित अन्य शामिल रहे।

लगातार बारिश से सड़कें हुईं लबालब, घरों में घुसा पानी

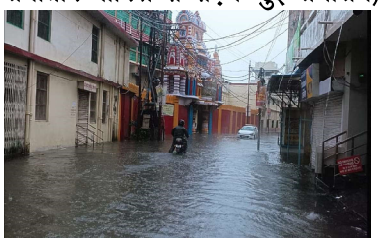

संवाददाता–गोरखपुर। लगातार तीसरे दिन जारी बारिश से जन जीवन बुरी तरह प्रभावित है। तमाम निजी विद्यालयों ने जलभराव और बारिश को मद्देनजर रखते हुए विद्यालयों में अवकाश की सूचना सुबह ही अभिभावकों को भेज दी। दूसरी ओर जलभराव से उफाएं बड़े नालों के कारण बिलंदपुर, बेतियाहाता पानी की टंकी के पीछे, बुद्धनगर, गोपालापुर समेत कई मोहल्लों में लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया। इलाहीबाग में बड़ा नाला की दीवार बारिश के पानी के दबाव में क्षतिग्रस्त हो गई है। मुंशी प्रेमचंद पार्क के पास, विजय चौक, धर्मशाला बाजार, बिछिया ताड़ी खाना, पादरीबाजार शताब्दीपुरम, रामजानकीनगर, एचएनसिंह चौराहा, बडगो, शिवपुर साहबाजगंज आदि क्षेत्रों में भी सड़कों से लेकर गलियों तक में काफी जलभराव है।

बारिश के कारण गोपलापुर दाउदपुर मलिन बस्ती, इंदिरानगर, शिवाजीनगर, सर्वोदय नगर और विवेकपुरम में भी जलभराव से लोगों को मुश्किल हुई। नौसढ़ के जवाहर चक और नौसढ़ चौराहे के पास काफी जलभराव है। उधर बिछिया ताड़ीखाना से हनुमान मंदिर रोड पर सड़क पर पानी से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मोहनापुर में भी लगातार बारिश से सड़कों पर पानी जमा हो गया है। शिवपूजन स्कूल के पास की कच्ची सड़क दल–दल में तब्दील हो गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोसनगर और ग्रीन सिटी फेज 2, खाले टोला, रानीडीहा और अरण्य बिहार, नंदानगर में गोकुलपुरम कॉलोनी, सैनिक कुंज, वसुंधरानगर, स्वर्ण सिटी, प्रज्ञापुरम, कमलेश्वरपुरम, गोरक्षनगर, श्रवण नगर सरीखी नई कॉलोनियों में जलभराव से जन जीवन प्रभावित हुआ। स्पोर्ट्स कॉलेज रोड से सटे गणेशपुरम, गायत्रीपुरम, हरिद्वारपुरम, रामजानकीनगर आदि कॉलोनियों में कई स्थान पर जलभराव है। उधर मेडिकल कालेज रोड के भेड़ियागढ़, विष्णुपुरम कॉलोनी, ओमनगर, बशारतपुर, अशोकनगर, राप्तीनगर डॉक्टर्स इंक्लेव, राप्तीनगर चरगावा में भी जलभराव की समस्या हुई। बिछिया पीएसी पुल के पास गोड़धोईया नाले का डायवर्जन शुक्रवार को ही तोड़ दिया गया था। कुछ एक स्थानों पर शेष बचे डायवर्जन शनिवार को नाला में बढ़े पानी के दबाव के कारण तोड़ दिए गए।

शनिवार की सुबह से ही जलभराव वाले क्षेत्रों में नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह, दुर्गेश मिश्र, शिवपूजन यादव, मुख्य अभियंता संजय चौहान समेत अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अवर अभियंता सड़क पर उतर आए। सेम्पवेल, पम्पिंग स्टेशन और अस्थाई और स्थाई रूप से जलभराव वाले स्थानों पर लगाए गए पम्प को निरंतर चलाते रहने के निर्देश दिए गए। सफाई कर्मियों से बारिश के बीच नाले में फंसी गंदगी जो प्रवाह को बाधित कर रही थी निकलवाया। सिक्सलेन निर्माण वाले मोहल्लों में कई स्थान पर जेसीबी लगा कर सिक्सलेन नाला निर्माण के दौरान अवरुद्ध किए गए नाले के हिस्से को खोला गया। लगातार तीसरे दिन जारी बारिश से मूंगफली, मूंग, उड़द और तिल जैसी अन्य खरीफ फसलों को भारी क्षति पहुंची है। अगल बगल के खेतों में भी पानी भरा है। किसानों को समझ नहीं आ रहा कि इन खेतों से पानी भी कैसे निकाले? वहीं धान की फसल जिनमें बालियां आ गई थी बारिश और तेज हवा के कारण गिर गई हैं।

हत्या के प्रयास के मामले में जेल हूं साहब, जमानत करा दीजिए

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला जज अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह के पहल पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव सदस्यों के साथ जिला कारागार में पहुंचे। उन्होंने बंदी समस्या–समाधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बंदियों के समस्या से रूबरू होकर उसके निदान के प्रति उन्हें आश्वस्त किया। इस दौरान एक बंदी ने कहा कि मुझे हत्या के प्रयास के झूठे मुकदमे में जेल भेज दिया गया है, मेरी जमानत करा दीजिए।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला कारागार में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के द्वारा बंदी समस्या–समाधान दिवस का आयोजन होता है। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ताओं के द्वारा जिला कारागार में निरुद्ध कैदियों से मिलकर उनकी समस्या को जानकर उनके समाधान के लिए बेहतर प्रयास किया जाता है। शुक्रवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव अपने सहयोगियों के साथ जिला कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर कैदियों से मुलाकात की। उन्होंने प्रत्येक कैदियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनके मुकदमों में की जा रही पैरवी के बारे में पूछताछ की। उनके समस्या के त्वरित समाधान के लिए आश्वस्त किया। कोतवाली खलीलाबाद के बरदहिया बाजार निवासी मो. वकील ने कहा कि वह बीते फरवरी से हत्या के प्रयास के झूठे मुकदमें में कारागार में निरुद्ध हैं। उन्हें अपने मुकदमें के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। वहीं गड़सरपार गांव निवासी शकील ने कहा कि उनकी जमानत यहां से खारिज हो चुकी है। हाईकोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल न हो पाने के कारण जमानत नहीं हो पा रहा है। बखिरा थाना क्षेत्र के औघड़ टोला गांव निवासी छोटू गिरी ने कहा कि अवैध मादक पदार्थ रखने के जुर्म में झूठा फंसा दिया गया है। उसने भी जमानत कराने के लिए गुहार लगाई है। अंबेडकरनगर जिले के इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के सहजोरा गांव निवासी मो. अरशद ने कहा कि उसकी जमानत हो गई है, फिर भी वह जेल से रिहा नहीं हो पा रहा है। चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल संजीव कुमार पांडेय, असिस्टेंट मो.दानिश व प्रज्ञा श्रीवास्तव को बंदियों के समस्या को नोट कराते हुए उनके समस्याओं के शीघ्र निस्तारण कराए जाने के लिए आश्वस्त किया है। इस दौरान डिप्टी जेलर कमलनयन सिंह, गीता रानी, हरिकेश कुमार, जेल पैरालीगल वालंटियर पंकज समेत अन्य सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

ब्लाक प्रमुख सेमरियावां सहित ५५ क्षेत्र पंचायत सदस्यों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियावां ब्लाक की प्रमुख मजहरुन्निशा व अविश्वास प्रस्ताव के लिए आवेदन देने वाली क्षेत्र पंचायत सदस्य हाजरा खातून सहित 55 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के विरुद्ध गुरुवार की देर रात गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हो गया। यह मुकदमा अविश्वास के लिए लगाए गए शपथ पत्र को गुमराह कर बनाए जाने और एक ही मामले में दो शपथ पत्र में अलग–अलग बयान देने के कारण किया गया। जांच में 50 क्षेत्र पंचायत सदस्य के साथ ही प्रमुख, प्रमुख का विरोध करने वाली सदस्य व अविश्वास प्रस्ताव के पत्र पर दस्तखत करने वाले तीन अन्य सदस्य दोषी पाए गए हैं। मुकदमे की मुख्य अभियुक्त हाजरा खातून पूर्व प्रमुख महमूद खान की पत्नी हैं और पूर्व विधान सभा प्रत्याशी मशहूर आलम चौधरी की बहू हैं।

प्रभारी डीपीआरओ ने राजेश कुमार अपने तहरीर में लिखा है कि ब्लाक प्रमुख सेमरियावां के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के लिए हाजरा खातून, संगीता देवी, मनीष कुमार तथा बदरुन्निशा ने संयुक्त हस्ताक्षर से 27 जुलाई 2024 को प्रार्थना पत्र डाक के जरिए प्रस्तुत किया। प्रार्थना पत्र में कुल 91 सदस्यों के शपथ पत्र दिए गए। इसके साथ ही ब्लाक प्रमुख मजहरुन्निशा ने 30 जुलाई व पांच अगस्त 2024 को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अविश्वास प्रस्ताव पर फर्जी हस्ताक्षर, निशानी अंगूठा बनाए जाने का आरोप लगाया। इसके संबंध में 75 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के शपथ पत्र प्रस्तुत किए गए। सेमरियावां में कुल 121 क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं लेकिन दोनों पक्षों से 166 शपथ पत्र दिए गए। जब इसकी जांच की गई तो 50 क्षेत्र पंचायतों के शपथ पत्र ऐसे मिले जिन्होंने दोनों पक्ष से अलग–अलग शपथ पत्र दिया था।

जिलाधिकारी ने इसकी जांच सीडीओ जयकेश त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित कमेटी को सौंपा। जांच में सभी 50 क्षेत्र पंचायत सदस्य को अपना बयान अंकित कराए जाने के लिए बुलाया गया। इसमें 48 क्षेत्र पंचायत सदस्य सीडीओ कार्यालय में उपस्थित कर अपना बयान दर्ज कराया। सभी के बयान प्रश्नोत्तरी के रूप में दर्ज किए गए। 48 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में से 39 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने हाजरा खातून के पक्ष में अपना बयान दिया। चार क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव से सम्बन्धित शपथ पत्र पर किए गए हस्ताक्षर को फर्जी बताया। तीन क्षेत्र पंचायत सदस्य ने अविश्वास के पक्ष में प्रस्तुत शपथ पत्र पर अपना हस्ताक्षर न होना बताया। एक क्षेत्र पंचायत सदस्य ने अविश्वास के पक्ष में शपथ पत्र पर किए गए हस्ताक्षर को सही बताया। दूसरे वाले पर बिना बताए हस्ताक्षर कराया जाना बताया। एक क्षेत्र पंचायत सदस्य ने दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए शपथ पत्र पर अपना हस्ताक्षर करना बताया। इससे स्पष्ट है कि हाजरा खातून पत्नी महमूद आलम सहित अन्य व ब्लाक प्रमुख मजहरुन्निशा व 50 क्षेत्र पंचायत सदस्यों द्वारा प्रतिरूपण कर बेइमानी पूर्ण तरीके से धोखा देकर शपथ पत्र तैयार किया गया। एक शपथ पत्र से भिन्न दूसरे शपथ पत्र में गलत कथन किया गया है जो अपराधजनित है। प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी ने मामले में दोषी हाजरा खातून, ब्लाक प्रमुख मजहरुन्निशा, प्रस्ताव पर दस्तखत करने वाले तीन सदस्य व अन्य 50 सदस्यों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग किया। पुलिस ने साक्ष्य और तहरीर के आधार पर प्रमुख सहित 55 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

दुधारा पुलिस ने सभी 55 आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 319(2), 318(2), 318(4), 338, 336(2), 336(3), 340(2) के तहत केस दर्ज किया है।

दुधारा पुलिस ने मुख्य अभियुक्त हाजरा खातून पत्नी महमूद आलम के साथ ही ब्लाक प्रमुख मजहरुन्निशा, संगीता देवी, मनीष कुमार, बदरुन्निशा, रीता, रोहित कुमार, शनि देवल, अमृतलाल, पंचराम, राहुल कुमार, सकीना खातून, रंगीलाल, साधना, अजय प्रकाश, धर्मात्मा प्रसाद, शान्ति देवी, मिथलेश, फखरुल इस्लाम, धर्मेन्द्र कुमार, मोहम्मद सलीम, सुभावती, गुलाम हुसेन, नौशाद अली, जितेन्द्र कुमार, इबारत हुसेन, मीरा, प्रभावती, बबीता, रुकसाना खातून, बदरुन्निशा, इजहार अहमद, नजरुल अहमद, नीतू, बबिता, रविन्द्र कुमार, पवनारी देवी, साधना, फिरोज अहमद, अलीमुन्निशा, पंकज कुमार, बदरे आलम, इम्तियाज अहमद, बहादुर प्रसाद, आतिफा खातून, एबाद अहमद, राधिका देवी, मीना देवी, मोहम्मद महबूब, रमेश प्रसाद, खुशनुमा खातून, शमा अदनान, अर्चना, रामदास, रामकुमार का नाम शामिल है। हाजार खातून व कुछ अन्य सदस्यों के द्वारा डाक के जरिए अविश्वास के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। उसके बाद ब्लाक प्रमुख सेमरियावां ने 75 सदस्यों के साथ यह शपथ पत्र दिया कि वे उनके साथ हैं। सेमरियावां में कुल 121 सदस्य हैं, लेकिन शपथ पत्र 166 प्राप्त हुए। इसके बाद शपथ पत्रों की जांच हुई तो 50 ऐसे मिले जिन्होंने दोनों तरफ से शपथ पत्र दिया था। हालांकि टेक्निकल कारण से अविश्वास प्रस्ताव का प्रार्थना पत्र निरस्त हो गया था। इसके बाद हाजरा खातून ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए 50 हजार का जुर्माना लगाया। शपथ पत्रों की जांच और सदस्यों के बयान में यह साबित हुआ कि कूटरचित तरीके से शपथ पत्र दिए गए हैं। इस कारण मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसके अलावा सेमरियावां के विकास कार्य को लेकर जल्द ही पहल करते हुए आगे बढ़ाया जाएगा।

भगवान श्रीराम के कार्यक्रम को नाच बताना अपमानजनक,माफी मांगें राहुल गांधी –अपर्णा यादव

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपने बयान के लिए राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए। भगवान श्रीराम से जुड़े कार्यक्रम को नाच बताना अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार से तीन प्रधानमंत्री हो चुके हैं क्या उनमें से किसी ने भी इस तरह की हरकत की है। अपर्णा यादव ने कहा कि राहुल गांधी देश की संस्कृति को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने कई बार सवाल उठाए हैं कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में दलितों और आदिवासियों को नहीं बुलाया गया था।

देश की राष्ट्रपति को भी नहीं बुलाया गया था। अपर्णा यादव ने कहा कि राहुल गांधी ने खुद इस कार्यक्रम को नहीं देखा और अब वह सवाल उठा रहे हैं। जिन लोगों ने राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में भाग लिया उन मजदूरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फूलों की बारिश की।

गैंगस्टर की जब्त जमीन पर ही मनबढ़ों ने कर दी प्लाटिंग, प्रशासन में मचा हड़कंप

संवाददाता–गोरखपुर। मनबढ़ युवकों के कारनामे अधिकारियों के कान खड़े कर दिए हैं। गैंगस्टर एक्ट में डीएम के आदेश पर तहसील प्रशासन ने जिस भूमि को जब्त कर बोर्ड लगाया था, मनबढ़ों ने उसपर प्लॉटिंग कर दी। यही नहीं, तहसील प्रशासन की ओर से लगवाए गए बोर्ड को भी हटवा दिया।जेल से छूटने के बाद गैंगस्टर एक्ट में पाबंद आरोपी भू–माफिया ओमप्रकाश पांडेय ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की तो हड़कंप मच गया। डीएम ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, मोहद्दीपुर के रहने वाले ओमप्रकाश पांडेय पर भूमि बेचने का झांसा देकर ठगी करने का कई केस दर्ज होने के बाद कैंट थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की।

थानेदार की रिपोर्ट पर डीएम ने ओमप्रकाश के मकान और भूमि के साथ ही सभी संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया था। मोहद्दीपुर स्थित मकान को सील करने के बाद तहसीलदार सदर ने एक मई 2023 को महादेव झारखंडी टुकड़ा–2 दो में स्थित ओमप्रकाश के हिस्से की 54 डिसमिल भूमि को जब्त किया था।

कस्टोडियन बनाए गए तहसीलदार सदर ने डुगडुगी पिटवाकर आसपास के लोगों को कार्रवाई की जानकारी देने के साथ ही मौके पर बोर्ड भी लगवाया था। जमानत पर छूटे ओमप्रकाश पांडेय ने तहसील प्रशासन से शिकायत की कि बोर्ड हटाकर मोहल्ले छह मनबढ़ों ने वहां प्लॉटिंग कर दी। तहसील प्रशासन के जरिए शिकायत डीएम तक पहुंची। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई तो आरोपियों ने निर्माण कार्य बंद कर दिया। अब तक जांच में पता चला कि ओमप्रकाश ने जमीन खरीदने में जो चौहद्दी दिखाई थी, उसी चौहद्दी पर दूसरे को भी जमीन बेची गई है।

डीएम गोरखपुर कृष्णा करुणेश ने बताया की मामले की जांच कराई जा रही है। एक ही चौहद्दी पर दो लोगों को जमीन बेचने का मामला सामने आया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महिला बीट अधिकारी अपने क्षेत्र में महिलाओं को करें जागरूक –एसएसपी

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर पुलिस लाइन के ह्वाइट हाउस में जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला बीट अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसएसपी ने बीट अधिकारियों से कहा की अपने क्षेत्र में पड़ने वाले स्कूल, कॉलेज आदि में जाकर महिला सुरक्षा, साईबर जागरूकता आदि के संबंध में जागरूक करने का कार्य करे स्कूलों कालेजों के प्रधानाचार्य को अपना नम्बर व थाना प्रभारी का मोबाइल नम्बर नोट कराए ताकि समय पर काम आए आगामी त्यौहारों में स्थापित होने वाले श्री दुर्गा पाण्डालों के आयोजकों से संपर्क कर सूचना संकलित करे।

आगामी त्यौहारों में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत भीड़–भाड़ वाले स्थानों में भ्रमणशील रहकर अराजकतत्वों पर सतर्क दृष्टि रखने का निर्देश दिया। एसएसपी ने महिला बीट अधिकारियों को अपने बीट क्षेत्र में होने वाले महिला संबंधी अपराधों के संबंध में सूचना संकलित करे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत अपने बीट क्षेत्र में स्थापित कैमरों को चेक करने एवं संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर कैमरे लगवाए। महिला बीट अधिकारियों को शाम के समय थाना पुलिस बल के साथ गश्त करने, शराब की दुकान, पर्यटन स्थल व भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में चेकिंग करने एवं शोहदों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। ड्यूटी के दौरान महिला बीट अधिकारियों के समक्ष आने वाली समस्याओं को एसएसपी ने सुना उसको निस्तारित करने का निर्देश दिया बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अपराध सुधीर जायसवाल, अंडर ट्रेनिंग क्षेत्राधिकारी विवेक सहित सभी थानों के महिला बीट अधिकारी मौजूद रहे।

पारदर्शिता से होगा हर काम, मरीज को मिलेगा बेहतर इलाज –एम्स निदेशक

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स के नए कार्यकारी निदेशक डॉ. अजय सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि कार्यों में पारदर्शिता, कठोर अनुशासन को सबसे ज्यादा तवज्जो दी जाएगी। इससे एम्स के नाम को और बेहतर किया जा सकता है। नए निदेशक ने कहा कि बीते कुछ दिनों में जो घटनाक्रम हुए हैं। उससे एम्स की छवि पर कुछ बट्टा लगा है। पहली प्राथमिकता यही है कि एम्स गोरखपुर की छवि को समाज में बेहतर किया जाए। इसके लिए एम्स में किए जा रहे कार्यों में पारदर्शिता सबसे प्रमुख हथियार है। लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए मरीजों के बेहतर इलाज का इंतजाम किया जाएगा। एम्स उच्च चिकित्सा शिक्षा का स्थल है। यहां मरीजों को उच्च मानक व गुणवत्ता का इलाज मिले। छात्रों को बेहतर शिक्षा मिले। उच्च स्तरीय रिसर्च हो। इसके लिए रोड मैप तैयार किया जाएगा। शैक्षणिक संस्थान में अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसके साथ ही शनिवार को अधिकारियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की जाएगी। सोमवार को परिसर में शिक्षकों के साथ ऑफलाइन मीटिंग होगी। इस दौरान शिक्षकों के साथ औपचारिक मुलाकात भी होगी। इससे भी एम्स के विकास के रोड मैप के लिए फीडबैक मिलेंगे। कोशिश की जाएगी कि कम समय में बेहतर रिजल्ट दिया जा सके।

उड़ीसा में पलटी बस, सिद्धार्थनगर के दो लोगों की मौत, पांच घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा थाना के सिकरी गांव से उड़ीसा के धार्मिक स्थलों का दर्शन करने जिस बस पर सवार को होकर सात लोग गए थे वह उड़ीसा के जलेश्वर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह में वापसी के समय पलट गई। दुर्घटना में सिकरी गांव के दो लोगों की मौत हो गई जबकि पांच घायल हो गए। बस में सवार बलरामपुर जिले के भी दो लोगों की मौत हो गई और दस घायल हो गए। घायलों को उड़ीसा के जिला अस्पताल बालासोर में भर्ती कराया गया है। मौत की खबर परिजनों को मिली तो वह लोग उड़ीसा के लिए रवाना हो गए।

तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए डुमरियागंज से 18 सितंबर को रवाना हुई थी। बस में इटवा थाना क्षेत्र के सिकरी गांव से भी सात लोग रवाना हुए थे। उड़ीसा के जलेश्वर थाना के एसआई चिरंजीव राउत के अनुसार तीर्थ यात्रियों की बस थाना क्षेत्र में ही एक स्थान पर पलट गई। बसके चारों पहिए ऊपर हो गए थे। बस में विभिन्न जिलों के 57 लोग सवार थे। वह लोग बाबा भुनेश्वर नाथ, कोर्णाक, जगन्नाथपुरी की यात्रा कर लौट रहे थे। बस पलटने से सिद्धार्थनगर जिले के इटवा थाना क्षेत्र के सिकरी गांव निवासी राम प्रसाद (55) पुत्र मोती यादव व संतराम (53) पुत्र सुनरपाती की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में इसी गांव के राम लौटन (56) पुत्र श्रीराम, सुभावती (54) पत्नी राम लौटन, राम कृपाल (65) पुत्र राम कलप, फूलमती (65) पत्नी राम कृपाल व सुमिरता (58) पत्नी राम प्रसाद यादव घायल हो गए। घायलों का इलाज जिला अस्पताल बालासोर में चल रहा है। दुर्घटना बलरामपुर जिले के भी लोगों की मौत हो गई जबकि दस घायल हो गए हैं। दुर्घटना की खबर के बाद मृतकों व घायलों के परिजन उड़ीसा के लिए रवाना हो गए हैं।

उड़ीसा के मंदिरों पर दर्शन करने बस से गए राम प्रसाद की बस पलटने से मौत हो गई है। उनकी पत्नी सुमिरता घायल हैं। उनका इलाज जिला अस्पताल बालासोर में चल रहा है। डुमरियागंज के बस मालिक राजन ने बताया कि पंडा बाबा लोगों के माध्यम से बस की सीटें बुक की जाती हैं। हम से किराए पर ली जाती है। यात्रियों का डिटेल पंडा बाबा के पास होता है। बस को बुक कराने तीन लोग आए थे सभी का मोबाइल बंद आ रहा है। मौके पर मैं खुद जा रहा हूं। इटवा थानाध्यक्ष श्री प्रकाश यादव ने बताया कि सुबह में उड़ीसा से बस दुर्घटना की खबर आई थी। इटवा क्षेत्र के दो लोगों की मौत व पांच के घायल होने की सूचना है। मृतक के परिजनों को तत्काल सूचना दे दी गई थी।

दुर्गा पूजा में परंपरागत रूप से होने वाले कार्यक्रम ही आयोजित होंगे

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के सीओ अजीत चौहान ने कहा कि दुर्गा पूजा में परंपरागत रूप से होने वाले कार्यक्रम ही आयोजित होंगे। कोई भी नया कार्य नहीं किया जाएगा। किसी कार्यक्रम के आयोजन के पहले प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। वे नवरात्र के आयोजन को लेकर बैठक कर रहे थे। बैठक में दुर्गा पूजा के संबंध में दुर्गा मूर्ति प्रतिमा रखने वाले आयोजकों ने प्रतिभाग किया। सीओ ने बताया कि परंपरागत रूप से जो कार्यक्रम आयोजित होते हैं, वही आयोजित किए जाएंगे। परंपरागत जुलूस निकाले जाएंगे। सभी को उनकी जिम्मेदारियां के संबंध में बताया। उनके जरिए सुरक्षा के मद्देनजर वॉलिंटियर्स नियुक्त किए जाएंगे। जो व्यवस्था बनाने में मदद करेंगे। इसके साथ ही सख्त हिदायत दी कि डीजे की ध्वनि मानक के अनुरूप ही रखी जाए। कोतवाल सतीश सिंह ने कहा कि यदि किसी तरह की अव्यवस्था की सूचना रहे तो समय से पुलिस को जानकारी दें। कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मकान पर बरगद का पेड़ गिरा, दबने से एक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। बेलघाट थाना क्षेत्र के रापतपुर गांव में खोदन पुत्र शिरपत धरिकार के मकान पर बरगद का पेड़ गिरने से 40 वर्षीय खोदन की दबकर मृत्यु हो गई, पत्नी और दो बच्चे भी घायल हो गए तथा दो बकरियां भी मर गई। शनिवार की रात खोदन परिवार सहित अपने मकान में सो रहे थे घर के सामने पुराना बरगद का पेड़ बरसात और हवा की वजह से उनके मकान पर गिर गया इसे पूरा मकान ध्वस्त हो गया और उसमें सभी दब गए, ग्रामीणों ने काफी मशक्कत कर सभी को बाहर निकाल कर घायल अवस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलघाट ले आए जहां डॉक्टर ने खोदन को मृत्यु घोषित कर दिया।

अपात्रों को बाढ़ राहत राशि दिलाने पर चार लेखपाल निलंबित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ में कार्यरत चार लेखपालों को सरकारी धन को क्षति पहुंचाने और अनुशासनहीनता के आरोप में डीएम के निर्देश पर उपजिलाधिकारी चंद्र भान सिंह ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई से पूरे तहसील क्षेत्र के लेखपालों में हड़कंप मच गया है। शुकवार को एसडीएम चंद्र भान सिंह ने बताया कि जुलाई माह में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पकड़हिवा, ताल कुंडा, पचऊध में तीन संबंधित लेखपालों ने 36 किसानों को कृषि अनुदान दिलाने के लिए पैसे की लालच में आकर फर्जी तरीके से दस्तावेज लगाकर लाभार्थी दिखा दिया और उन लोगों का नाम बाढ़ राहत पोर्टल पर दर्ज कर धनराशि दिला दी। गांव के पीडिघ्त किसानों ने एसडीएम को शिकायत पत्र देते हुए लेखपालों पर आरोप लगाते हुए कहा कि लेखपाल ने पैसे की मांग की। जिन किसानों ने पैसा नहीं दिया उनका नाम बाढ़ राहत अनुदान लाभार्थी से काट दिया और बाढ़ से जिनकी फसल को क्षति नहीं पहुंची, उनसे धन लेकर फर्जी गाटा संख्या दिखाकर बाढ़ राहत अनुदान का धन दिला दिया।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी ने जांच टीम गठित कर सत्यता की निष्पक्ष रूप से आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। राजस्व विभाग टीम ने जांच की तो शिकायत सत्य पाई गई। उपजिलाधिकारी ने तीन लेखपाल ओमप्रकाश, दुर्गेश शर्मा, जगदीश चौरसिया व अनुशासनहीनता करने पर लेखपाल कमलेश मिश्रा को निलंबित कर दिया। तहसीलदार अजय कुमार ने कहा कि उक्त तीनों लेखपालों की मिली भगत से शासकीय धन का दुरुपयोग किया गया है। इनपर आगे की कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। कहा कि जो भी लेखपाल अनियमितता या पैसे के लालच में आकर सरकारी कार्य में हेराफेरी व कास्तकारों से कार्य की एवज में घूसखोरी करते मिलेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत जमोहरा
विकास खण्ड साऊंघाट-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 30.09.2024 से 05.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-यासमीन
ग्राम पंचायत-जमोहरा
विकास खण्ड-साऊंघाट, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-मनोज वर्मा
ग्राम पंचायत-जमोहरा
विकास खण्ड-साऊंघाट, बस्ती

पत्रांक मेमो /28.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com